सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

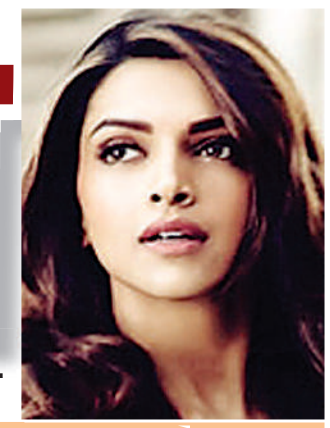

तिलक काउंटी क्रिकेट में हैंपशर की ओर से खेलेंगे -पेज: 7

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम -पेज: 8

वर्षः 01 | अंकः 66 | शनिवार 14 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

घटनास्थल से मिला डीवीआर, ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर, अब खुलेगा राज कैसे हुआ विमान हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी): अहमदाबाद में हुए भयावह एयर इंडिया विमान हादसे की जांच अब नए मोड़ पर पहुंच चुकी है। एयरपोर्ट से उड़ान भरने के चंद मिनटों बाद हुए इस क्रैश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में 265 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद अब इस मामले की जांच आतंकवाद निरोधी दस्ते (ATS) को सौंप दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, क्रैश साइट से विमान का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (DVR) बरामद कर लिया गया है। ATS की टीम ने DVR को अपने कब्जे में ले लिया है और इस पूरे मामले की पैरेलल इन्वेस्टिगेशन शुरू कर दी है। जांच एजेंसियों को शक है कि यह हादसा किसी तकनीकी खामी से ज्यादा गहरा मामला हो सकता है। इसी के चलते गुजरात एटीएस अब हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है क्या यह कोई साजिश थी, पायलट की कोई गलती या फिर किसी बाहरी दखल का नतीजा? फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से जरूरी सैंपल जुटा लिए हैं, जिन्हें अब जांच के लिए

अहमदाबाद में हुए भयावह एयर इंडिया विमान हादसे की जांच अब नए मोड़ पर पहुंच चुकी है। एयरपोर्ट से उड़ान भरने के चंद मिनटों बाद हुए इस क्रैश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में 265 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद अब इस मामले की जांच आतंकवाद निरोधी...

लैब भेजा जाएगा। जांच अधिकारी मान रहे हैं कि ब्लैक बॉक्स और ऊश्फमें दर्ज डाटा से यह पता चल सकेगा कि क्रैश से पहले विमान के भीतर क्या स्थिति थी, पायलट्स ने क्या बातचीत की, और आखिरी कुछ मिनटों में कॉकपिट में क्या हुआ।

हादसा कैसे हुआ?

फ्लाइट अक-171 ने अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे 23 से दोपहर 1:38 बजे उड़ान भरी। विमान ने 625 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने के बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क खो दिया और एक मिनट के भीतर ही मेघानी नगर के बी.जे. मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें आग लग गई और भारी धुआं उठने लगा।

ब्लैक बॉक्स की बरामदगी

दुर्घटना स्थल से एक ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया है, जिसे गुजरात एटीएस ने मलबे से निकालकर जांच टीम को सौंपा। अब फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (FSL) की टीम इसकी जांच करेगी। इसमें रिकॉर्ड हुए डेटा से यह पता चलेगा कि टेकऑफ से लेकर क्रैश तक विमान में क्या घटनाएं हुईं। शिनाख्त और राहत कार्य अब तक 5 शवों की शिनाख्त की जा चुकी है, जिनमें से 2 राजस्थान के, 2 गुजरात के भावनगर के और 1 मध्य प्रदेश का निवासी है। शवों की शिनाख्त के लिए DNA सैंपल लिए जा रहे हैं। राहत कार्य में NDRF, CRPF और सेना के जवानों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जांच और प्रतिक्रिया

नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) को हादसे की जांच सौंपी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। इस हादसे ने बोइंग 787 के सुरक्षा मानकों पर सवाल उठाए हैं और इसके कारण कंपनी की छवि को नुकसान पहुंचा है।

'प्लेन से कूदा नहीं था, सीट समेत मैं बाहर गिर गया, प्लेन क्रैश में जिंदा बचे रमेश विश्वास कुमार की चौंकाने वाली सच्चाई

अहमदाबाद (एजेंसी): गुजरात के अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे ने न केवल पूरे देश बल्कि दुनिया भर को स्तब्ध कर दिया है। टेकऑफ के दौरान तेज रफ्तार से उड़ान भरते हुए विमान सीधे एक अस्पताल के हॉस्टल की इमारत में जा घुसा, जिससे जोरदार धमाका हुआ, आग फैल गई और धुआं फैल गया। इस भयानक हादसे में 265 से अधिक लोगों की जानें चली गईं। इस त्रासदी के बीच एक चमत्कारिक बचाव की कहानी भी सामने आई है। विमान में सवार रमेश विश्वास कुमार, जो इस हादसे के एकमात्र जीवित बचा यात्री हैं, का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मुलाकात कर हालचाल जाना। विश्वास कुमार ने अस्पताल के बेड से अपनी दर्दनाक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि जैसे ही विमान ने रनवे पर स्पीड पकड़ी, कुछ अजीब सा महसूस हुआ। अचानक सब कुछ थम सा गया और फिर ग्रीन-व्हाइट लाइटें चमकने लगीं। शायद पायलट टेकऑफ के लिए पूरा जोर लगा रहा था। लेकिन उसके कुछ ही सेकंड बाद विमान हॉस्टल की बिल्डिंग से

टकरा गया। उन्होंने बताया कि उनका बैठने का स्थान विमान के नीचे वाले हिस्से में था, जो बिल्डिंग के निचले भाग से टकराया। ऊपर के हिस्से में आग लगी और कई लोग फंसे रह गए। वह जैसे-तैसे विमान से बाहर निकल पाए, जबकि अगली तरफ दीवार होने के कारण कोई निकल नहीं पाया। उन्होंने बताया कि ऊपर के हिस्से में आग लग गई थी, कई लोग वहीं फंसे रह गए और मैं सीट सहित नीचे गिर गया था जिससे बच गया। दरवाजा टूट गया था, और सामने कुछ खाली जगह दिखी, तो निकलने की कोशिश की। रमेश विश्वास ने बताया कि उनकी आंखों के सामने ही दो एयर होस्टेस, एक अंकल-आंटी की लाश जल रही थी।

पता लगाओ कि दुर्घटना कैसे हुई और कौन जिम्मेदार है, अहमदाबाद विमान हादसे पर मल्लिकार्जुन खड़गे की केंद्र सरकार से अपील

नई दिल्ली (एजेंसी): गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर हुई दर्दनाक विमान दुर्घटना को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गहरा दुख व्यक्त किया है। खड़गे ने कर्नाटक के कलबुर्गी में जल्दी बुलाए गए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ अन्य संगठनों के कार्यकताओं को भी पीड़ित परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि हादसे से प्रभावित लोगों को पूरी सहायता दी जाए। खड़गे ने कहा, सरकार को यह सुनिश्चित करना

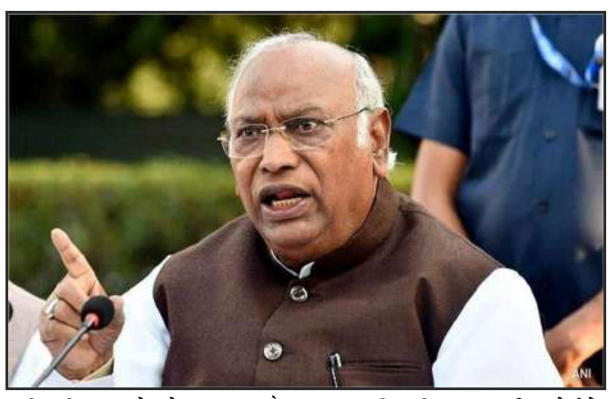

चाहिए कि घायलों को तत्काल और बेहतर इलाज मिले, साथ ही पीड़ितों को आर्थिक और चिकित्सीय मदद भी दी जाए। खड़गे ने इस दुखद घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि इस हादसे के पीछे की सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जांच सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा या रिटायर्ड जज से करवाई जाए, ताकि यह पता चल सके कि दुर्घटना कैसे हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। खड़गे बोले, जांच के बाद ही असली वजह सामने आएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पायलट पर समय से पहले उड़ान भरने का दबाव था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हादसे में अब तक 169 भारतीय यात्रियों और 53 विदेशी नागरिकों की जान जाने की पुष्टि हुई है। विमान अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास एक रिहायशी इलाके में गिरा, जिससे कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। खड़गे ने सरकार से मांग की कि जिन लोगों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उन्हें भी उचित मुआवजा दिया जाए। इस दौरान बेलगावी से सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने भी इस हादसे पर गहरा शोक जताया। वे इन दिनों कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कलबुर्गी जिले के दौरे पर हैं।

अहमदाबाद क्रैश में चमत्कार, विमान का लोहा तक गल गया, लेकिन मलबे से सुरक्षित मिली भगवद् गीता

अहमदाबाद (एजेंसी): अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट के क्रैश होने की खबर ने पूरे देश को सदमे में डाल दिया है। टेकऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद हुए इस हादसे में 241 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जांच तेजी से जारी है, लेकिन अब इस भयावह त्रासदी के बीच एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। बिहार के चर्चित यूट्यूबर और पूर्व बीजेपी नेता मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि विमान के मलबे से भगवद् गीता की एक प्रति बिल्कुल सुरक्षित हालत में बरामद हुई है। उनके अनुसार, यह गीता एक यात्री के साथ थी और जब बचाव टीम मलबा खंगाल रही थी,

तब यह पवित्र ग्रंथ बिल्कुल सही हालत में मिला – न एक पन्ना फटा, न कोई जलन या नुकसान। वीडियो में कथित तौर पर क्रैश साइट को दिखाया गया है, जहां राहत और बचाव कार्य जारी है। एक व्यक्ति हाथ में भगवद् गीता लिए हुए नजर आता है, जो पूरी तरह से सलामत है। वीडियो में गुजराती भाषा में कुछ बोर्ड और संकेत भी दिखाई देते हैं, जिससे दावा किया जा रहा है कि यह स्थान अहमदाबाद एयरक्रैश साइट ही है। मनीष कश्यप ने ट्वीट कर कहा, विमान में एक यात्री भगवद् गीता लेकर यात्रा कर रहे थे। हादसे के बाद गीता मलबे में अक्षत अवस्था में मिली है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं। क्या है इस दावे की सच्चाई? फिलहाल इस वीडियो और दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ना ही एयरलाइन और ना ही जांच एजेंसियों ने इस बारे में कोई बयान जारी किया है। लेकिन अगर वाकई ऐसा हुआ है, तो यह घटना उस चमत्कार की तरह मानी जा सकती है जहां मानव जीवन तो नहीं बच पाया, लेकिन एक धार्मिक ग्रंथ पूरी तरह सुरक्षित रहा। सोशल मीडिया पर चर्चा इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर आस्था बनाम विज्ञान को लेकर बहस तेज हो गई है। कुछ लोग इसे भगवान की कृपा बता रहे हैं, वहीं कई लोग इसे सिर्फ एक संयोग मान रहे हैं। लेकिन एक बात तो तय है – इस हादसे के बाद यह वीडियो जनता के बीच भावनात्मक प्रतिक्रिया को गहराई से छू रहा है।

अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से हम सब स्तब्ध हैं, पीएम मोदी ने जताया गहरा शोक, कहा- यह त्रासदी शब्दों से परे

अहमदाबाद (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने सभी को स्तब्ध कर दिया है और इतने आकस्मिक और हृदय विदारक तरीके से इतने अधिक लोगों की मौत शब्दों से परे है। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने शोक संदेश में यह बात कही। उन्होंने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और हादसे में जीवित बचे एकमात्र शख्स और घायलों से अस्पताल में मुलाकात की। उन्होंने कहा, हम अहमदाबाद में हुए विमान हादसे से स्तब्ध हैं। इतने आकस्मिक और हृदय विदारक तरीके से इतने अधिक लोगों की मौत शब्दों से परे है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं। पीएम मोदी ने कहा, हम उनका दर्द समझते हैं और यह भी जानते हैं कि उनके जाने से जो खालीपन पैदा हुआ है, वह आने वाले कई वर्षों तक महसूस किया जाएगा। ओम शांति। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तुरंत घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने करीब 10 मिनट तक घटनास्थल का जायजा लिया और फिर घायल यात्रियों से

अस्पताल में जाकर मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने इकलौते जीवित बचने वाले यात्री विश्वकुमार रमेश से अस्पताल में मुलाकात की। पीएम मोदी ने रमेश का हाथ पकड़कर उसे हौसला दिया। विश्वकुमार के चेहरे पर इस मुलाकात के दौरान सुकून देखा गया। विश्वकुमार रमेश ने बताया कि हादसा उनकी आंखों के सामने हुआ, लेकिन उन्हें समझ नहीं आया कि वे कैसे जीवित बच गए। उन्होंने कहा, "मुझे लगा कि मैं भी मर जाऊंगा, लेकिन आंख खुली तो मैं जिंदा था। मैंने सीट बेल्ट खोली और वहां से निकल गया। मेरे सामने एयरहोस्टेज और कई लोग मरे।" उन्होंने यह भी बताया कि पीएम मोदी ने उनसे हालचाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने सभी को स्तब्ध कर दिया है और इतने आकस्मिक और हृदय विदारक तरीके से इतने अधिक लोगों की मौत शब्दों से परे है।पीएम मोदी ने एक्स' पर अपने शोक संदेश में यह बात कही। उन्होंने...

पूछा। अहमदाबाद में बृहस्पतिवार को एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार एक यात्री को छोड़कर बाकी सभी 241 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त विमान में 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे। यह विमान अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भर रहा था। एयर इंडिया के अनुसार, विमान में 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद सीएम योगी के आज के सभी कार्यक्रम निरस्त

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के कारण आज यानी शुक्रवार के अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "अहमदाबाद में हुई अत्यंत हृदयविदारक विमान दुर्घटना के कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिनांक 13 जून 2025 के सभी सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।" सीएम योगी ने जताया दुख सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में कहा, "अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी तथा हादसे के शिकार अन्य यात्रियों एवं चालक दल के सदस्यों का निधन अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!" उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, "प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति

एवं उनके शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।" बता दें क लंदन जा रहा एअर इंडिया का एक विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में मौजूद 56 लोगों की भी मृत्यु हुई है, जिससे कुल मृतकों का आंकड़ा 297 तक पहुँच गया है।

अहमदाबाद प्लेन हादसे की जांच करेगी एएआईबी , 200 से अधिक मौतों की तय होगी जवाबदेही?

नई दिल्ली (एजेंसी): अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच नागरिक उड्डयन मंत्रालय की एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) करेगी। जांच में ब्रिटेन और अमेरिकी एजेंसियों की भी मदद ली जा सकती है। पहले भी जब इस तरह की विमान दुर्घटना होने पर कई देशों की जांच एजेंसियों के बीच सहयोग होता रहा है। विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग की तरफ से दुर्घटना की अपने स्तर पर अलग से जांच कराए जाने की संभावना है। वैसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी बता रहे हैं कि एएआईबी की जांच में भी बोइंग की मदद ली जाएगी। पूरी जांच की रिपोर्ट आने में छह से नौ महीने का समय लग सकता है। एएआईबी के अधिकारी पहुंचेंगे अहमदाबाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार दोपहर में अहमदाबाद-लंदन उड़ान संख्या एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर आने के 30 मिनट के भीतर यह फैसला हो गया था कि इसकी जांच एएआईबी करेगी और कुछ ही देर बाद एएआईबी के अधिकारियों के अहमदाबाद पहुंचने की तैयारी भी हो गई। एएआईबी ही देश में विमान सेवा देने वाले जहाजों की सुरक्षा का मानक तय करती है

और किसी भी तरह की दुर्घटना की जांच करती है। भविष्य में इस तरह की दुर्घटना न हो, इसके लिए सुझाव भी देती है। दुर्घटना को लेकर बोइंग की तरफ से सूचना जुटाए जाने की खबर है। बोइंग इंडिया ने बताया है

यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था और मृतकों में 53 ब्रिटिश नागरिक भी हैं। संभवत इसलिए ब्रिटेन की सरकार ने यह फैसला किया है। ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जबकि अमेरिकी फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने भी कहा है

कि वह हादसे को लेकर एअर इंडिया के साथ संपर्क में है और जो भी मदद संभव है, उसे देने की कोशिश कर रही है। विशेष टीम नियुक्त कर रही ब्रिटिश एजेंसी इसके साथ ही बोइंग ने दुर्घटना में मारे गए यात्रियों, क्रू सदस्यों व अन्य लोगों के प्रति अपने संवेदना प्रकट की है।उधर, विमान हादसों की जांच करने वाली ब्रिटिश एजेंसी एयर एक्सीडेंट इंवेस्टीगेशन ब्रांच (एएआइबी) ने कहा है कि वह एअर इंडिया विमान दुर्घटना की भारतीय एजेंसी की अगुआई में होने वाली जांच में मदद करने के लिए एक विशेष टीम नियुक्त कर रही है। चूंकि यह विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था और मृतकों में 53 ब्रिटिश नागरिक भी हैं। संभवतः इसलिए ब्रिटेन की सरकार ने यह फैसला किया है। ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जबकि अमेरिकी फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने भी कहा है कि वह विमान हादसे की जांच में मदद करने को तैयार है। माना जा रहा है कि भारत सरकार एफएए के इस आग्रह को स्वीकार करेगी। वजह यह है कि एफएए बोइंग के ड्रीमलाइनर विमानों को लेकर कंपनी से पूछताछ करती रही है। पिछले पांच वर्षों में दो बार एफएए ने बोइंग से ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा को लेकर जांच कर चुकी है।

संपादकीय

बिजली बचाने का उपक्रम

सरकार एयरकंड़ीशनर के तापमान को मानकीकृत करने के विषय में उपकरण विनिमार्ताओं व राज्यों से बात कर रही है। देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लिहाज से एसी के ड़िफॉल्ट तापमान को 20 से 28 ड़िग्री के दरम्यान मानकीकृत करने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो यानी बीईई रूप रेखा तैयार कर रहा है। इस ब्यूरो का काम ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं, उपकरण व प्रणालियों के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। न्यूनतम 20 तथा अधिकतम 28 ड़िग्री को स्टैंड़र्ड. बनाया जा सकता है। सरकार वाहन विनिमार्ताओं के साथ भी इस संबंध में बात कर रही है। तापमान में एक ड़िग्री की कमी से छह फीसद ऊर्जा की बचत संभव होती है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब देश में भीषण गरमी के कारण बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। नौ जून को यह 241 गीगा वॉट तक पहुंच चुकी थी। यह नियम दफ्तरों के अलावा आवासों पर भी लागू हो सकता है। इसके लागू होते ही एसी निमार्ता कंपनियों को ही अपने उत्पाद के हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर बदलाव के जरिए इसे सीमित किया जाएगा। फिलवक्त यह न्यूनतम 16/18 व अधिकतम 30 ड़िग्री होता है। बिजली अधिकारियों के अनुसार देश में अधिकतम ऊर्जा खर्च में करीब पचास गीगावॉट बिजली की खपत एसी चलने में होती है। जो अधिकतम गरमी के वक्त कुल ऊर्जा खर्च का पांचवां हिस्सा हो जाती है। देश में बिजली निर्माण में कोयले का प्रयोग सबसे ज्यादा होता है। इस पर काबू करने से प्रदूषण घटाने में भी मदद हो सकती है। महानगरों में बढ़ते औद्योगिकीकरण, शानदार-उन्नत रिहाइशों और बाजारों के वातानुकूलन में बिजली की जबरदस्त खपत होती है। जिस पर काबू करने के प्रति सरकार को प्रतिबद्ध होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सबसे ज्यादा चुकाना पड़ता है। बिजली की किल्लत या आपूर्ति से अधिक मांग होने पर बिजली कटौती इसी वर्ग से की जाती है। अकेले बीते वर्ष ही देश में 1.4 करोड़. यूनिट की बिक्री हुई थी। बढ़ती गरमी की चुनौतियों से जूझने के लिए सरकार को और भी कदम उठाने होंगे। ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढ़ांचे व बेहतरीन वेंटीलेशन वाली इमारतों के निर्माण की व्यवस्था के प्रयास करने चाहिए। एसी के अतिरिक्त एलईड़ी लाइटों, पंखों व अन्य घरेलू उपकरणों का भी मानकीकरण करने की कोशिशें जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है। इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशाह्म के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देकर उजाला बने

ललित गर्ग

किसी के जीवन में रंग भरने का, जीवन और मौत के बीच जूझ रहे लोगों को जीवन देने का और अधिक स्वास्थ्य संकट से घीरे व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण बनने का सशक्त माध्यम है रक्तदान। दुनिया भर में अनगिनत लोगों को रक्त की अपेक्षा होती है, इसलिये रक्तदान-महादान है। रक्तदान के महत्व को उजागर करने के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझाने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिये यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान्दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है 'रक्त दें, आशा दें- साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं।' यह थीम रक्तदाताओं के जीवन-परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालती है, समुदाय और एकता का सम्मान करती है, तथा नए और नियमित रक्तदाताओं दोनों को जीवन बचाने में मदद करने के लिए प्रेरित करती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरे विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्तदान का महत्व न केवल उन हजारों लोगों के जीवन को बचाना है जो रक्त की कमी या अभाव के कारण जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्षरत हैं, बल्कि विभिन्न बीमारियों से प्रभावित कई अन्य लोगों के जीवन को बचाना और उन्हें अनेक बीमारियों से लड़ने में मदद करना भी है। कल्पना कीजिए कि यह जानकर कैसा महसूस होगा कि आपने किसी की जान बचाई है। आपकी वजह से, कोई व्यक्ति अब अपने परिवार के साथ रह रहा है, पढ़ाई कर रहा है और दुनिया में मौजूद है। यह दिन चुनौतियों को स्वीकार करता है और सुरक्षित रक्त दान को सार्वभौमिक रूप से सुलभ बनाने की दिशा में प्रगति को गति देता है।

इस दिवस को मनाने का एक और महत्वपूर्ण कारण स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है। जो यह सुनिश्चित करता है कि दुनिया को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ने पर सुरक्षित रक्त मिल सके। यह भी देखा गया है कि जब लोगों ने अपना रक्तदान किया है, तो उन्हें कई स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुए हैं। रक्तदान करने वाले ज्यादातर लोग अपनी बीमारियों से जल्दी ठीक हो जाते हैं और लंबी उम्र जीते हैं, यह वजन घटाने, स्वस्थ लीवर और आयरन के स्तर को बनाए रखने, दिल के दौरे और कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद करता है। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित रक्त और प्लाज्मा दान की निरंतर आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, दानकताओं के सकारात्मक प्रभाव पर जोर देना, तथा राष्ट्रीय रक्त कार्यक्रमों में निवेश करने और उन्हें बनाए रखने के लिए सरकारों और विकास भागीदारों से समर्थन जुटाना है। भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है।

मुद्दा : वायरल होने को कुछ भी करेंगे...

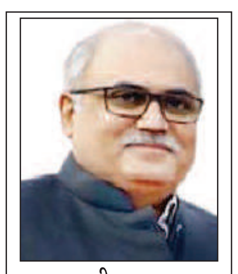

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली मंच प्रदान किया है। यह मंच जहां एक ओर ,ङ्क ज्ञान और सकारात्मक संदेशों को फैलाने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मंच का दुरु पयोग भी कर रहे हैं। एक चिंताजनक प्रवृत्ति जो हाल के वर्षों में उभरी है, वह है सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की कोशिश। यह न केवल सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, बल्कि समाज में नैतिकता और संस्कृति के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ ने कई लोगों को गलत रास्ते पर धकेल दिया है। कुछ लोग त्वरित प्रसिद्धि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार, अभद्र भाषा, अनुचित कपड़े या आपत्तिजनक हरकतें करते हैं और इसे रिकॉर्ड करके ऑनलाइन डाल देते हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ युवा सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो, बस, पार्क या बाजारों में अश्लील नृत्य, अशोभनीय टिप्पणियां या विवादास्पद कृत्य करते हैं, ताकि लोग उनकी वीडियो देखें, शेयर करें और वे रातोंरात प्रसिद्ध हो जाएं। इस तरह की सामग्री को अक्सर ह्यक्लिकबेट' के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि यह लोगों का ध्यान तुरंत खींचती हैङ्क लेकिन यह प्रवृत्ति समाज के लिए हानिकारक है। यह सवाल उठता है कि क्या प्रसिद्धि के लिए नैतिकता और सामाजिक मयार्दाओं को ताक पर रखना उचित है? आज के समय में, सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स और व्यूज को सफलता का पैमाना माना जाता है। लोग मानते हैं कि वायरल होने से उन्हें प्रसिद्धि, पैसा और अवसर मिलेंगे। इस लालच में वे अश्लीलता का सहारा भी ले लेते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम विवादास्पद और सनसनीखेज सामग्री को अधिक प्रचारित करते हैं। अश्लील वीडियो या पोस्ट को ज्यादा लाइक्स, शेयर और कमेंट्स मिलते हैं, जिससे वे ट्रेंडिंग लिस्ट में आ जाते हैं। यह क्रिएटर्स को ऐसी सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। आधुनिक समाज में कुछ हद तक नैतिकता और सामाजिक मूल्यों में कमी आई है। लोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर अनुचित व्यवहार को सही ठहराने लगे हैं। सोशल मीडिया पर लाखों कंटेंट क्रिएटर्स हैं और उनमें से अलग दिखने के लिए कुछ लोग गलत रास्ते चुन लेते हैं। अश्लीलता एक आसान और तेज तरीका लगता है। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने की प्रवृत्ति समाज पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। जब लोग सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार करते हैं, तो यह समाज की नैतिकता और मयार्दाओं को कमजोर करता है। अश्लील व्यवहार सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए असुविधा और असहजता का कारण बनता है। इससे सामाजिक तनाव और विवाद पैदा हो सकते हैं। भारत में सार्वजनिक अश्लीलता को रोकने के लिए कई कानून मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता के तहत, सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य या शब्दों का उपयोग दंडनीय अपराध है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी ऑनलाइन अश्लील सामग्री को फैलाना भी गैरकानूनी है। फिर भी, इन कानूनों का सख्ती से पालन नहीं हो पाता, क्योंकि सोशल मीडिया पर सामग्री की मात्रा इतनी अधिक है कि हर पोस्ट की निगरानी करना मुश्किल है। इस समस्या से निपटने के लिए समाज, सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलकर काम करना होगा। सार्वजनिक अश्लीलता और ऑनलाइन अश्लील सामग्री के खिलाफ कानूनों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। सोशल मीडिया कंपनियों को अपने एल्गोरिदम में बदलाव करना चाहिए, ताकि अश्लील और विवादास्पद सामग्री को बढ़ावा न मिले। ऐसी सामग्री को तुरंत हटाने और क्रिएटर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने की नीति लागू करनी चाहिए। समाज में नैतिकता और सामाजिक मयार्दाओं के महत्त्व को समझाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। वहीं माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर नजर रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक, रचनात्मक और प्रेरणादायक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार

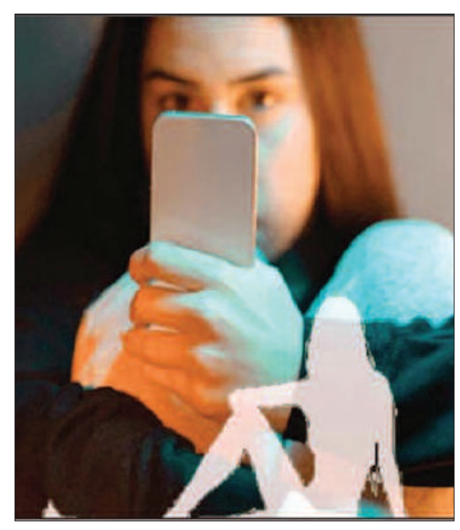

और गैर-सरकारी संगठन ऐसी पहल शुरू कर सकते हैं, जो युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करें। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक समस्या है। समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें। कानूनी कार्रवाई, जागरूकता और सकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देकर हम एक स्वस्थ और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रसिद्धि का असली मोल तब है, जब वह मेहनत, रचनात्मकता और नैतिकता के आधार पर हासिल की जाए, न कि सस्ते और अनुचित तरीकों से।

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र

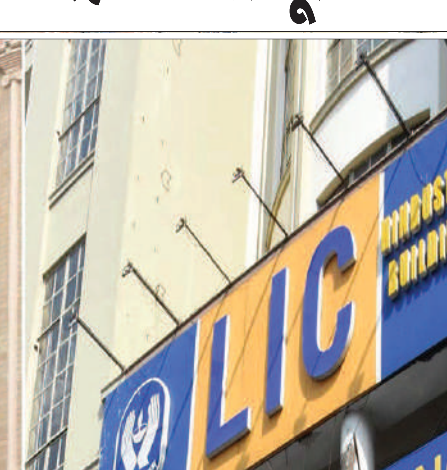

सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है।

भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दशार्ता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई, स्वच्छता संबंधित दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा पुलिस लाइन में शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई गयी एवं अन्य दिशा निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक द्वारा यूपी 112 पीआरवी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पीआरवी में मौजूद दंगा नियंत्रण उपकरणों, फर्स्ट ऐड किट और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई और देखरेख के बारे में दिशा-निर्देश दिए। साथ ही पीआरवी वाहनों पर तैनात पुलिसकर्मियों से उनके उपकरणों और संचालन के बारे में भी पूछताछ की। पुलिसकर्मियों से शस्त्र हैंडलिंग का अभ्यास कराया गया तथा फील्ड यूनिट टीम द्वारा घटनास्थल के निरीक्षण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। उसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं/इकाईयों, एम0टी0 शाखा, शास्त्रागार, क्वार्टर गार्द, भोजनालय, बन्दी वाहन, डॉग स्कवॉड, पीआरवी वाहन आदि का निरीक्षण किया गया। एम0टी0 शाखा के निरीक्षण के दौरान समस्त पुलिस वाहनों के रख-रखाव के विषय में पूछताछ करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा ईंधन व वाहनों से संबंधित लॉग बुक सहित अन्य दस्तावेजों का अवलोकन भी किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा शास्त्रागार में निरीक्षण के दौरान रखे हुये शस्त्रों की साफ-सफाई आदि निरीक्षण किया गया व उनके संचालन के विषय में जानकारी दी गयी । क्वार्टर गार्ड के निरीक्षण के दौरान सुरक्षा गार्डों की मुस्तैदी का परीक्षण किया गया तथा विषम परिस्थितियों में अपनाये जाने वाले टैक्टिस का अभ्यास भी देखा गया साथ ही प्रतिसार निरीक्षक अमरोहा को सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । पुलिस मेस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता को चेक किया गया । निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा शाखाओं में नियुक्त समस्त पुलिस कर्मचारियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी की साथ ही समस्त शाखा प्रभारियों को रिकार्डों का सही ढंग से रख रखाव व साफ-सफाई रखने तथा राजकीय कार्य समय से सम्पादित करने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।

द मिशन एकेडमी के 25 विद्यार्थियों का यू.पी.पुलिस परीक्षा मे चयन

एकेडमी के डायरेक्टर ओ पी सिंह ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर व मेडल पहनाकर किया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- औद्योगिक नगरी के बुध बाजार रोड स्थित द मिशन अकैडमी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपना परचम लहराते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा 2024-25 में एकेडमी के 25 होनहार विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। शुक्रवार को गजरौला में रॉयल स्कॉलर एकेडमी के पास स्थित द मिशन एकेडमी परिसर में आयोजित समारोह में अकादमी के डायरेक्टर ओ पी सिंह ने सिलेक्ट हुए छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर एवं मैडल पहनकर सम्मानित किया। डायरेक्टर ओ पी सिंह ने बताया कि चयनित छात्र-छात्राओं प्रियंका, चिंकी, आरती ,काजल, गौतम, काजल, ललित, आकाश, सोनिया, योगेश, पुष्पेंद्र, रोहित, विनीत, उदय, विकास, प्रांजल, हरीश, निगम,गौरव, गगनदीप, अरमान, विनोद, सुधीर,नेमपाल,मोनू,पपसरी, शामिल व समस्त छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

आजादी के समय से था कच्चा रास्ता, ब्लॉक प्रमुख ने शुरू कराया खड़ंजा निर्माण

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- एक किलोमीटर की जगह बरसात के मौसम में स्कूल कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को जहां 8 किलोमीटर घूम कर जाना पड़ता था। उस रास्ते पर किसी भी जनप्रतिनिधि की नजर नहीं पहुंची थी। दूसरी तरफ गंगेश्वरी विकासखंड से ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गबंशी ने ग्रामीण, छात्र-छात्राओं की समस्या को जाना और उनसे वादा किया कि वह बहुत जल्द ही उनकी समस्या का हल कर देंगे और हुआ भी वैसा ही। शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गबंशी ने विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम खुशहालपुर से भोगपुरा को जाने वाले रास्ते पर खड़ंजा निर्माण शुरू करा दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से आज तक यहां किसी भी जनप्रतिनिधि ने ग्रामीणों की समस्याओं को नहीं समझा। जैसे ही यह रास्ता मेरे संज्ञान में आया मैंने तभी मन बना लिया की सर्वप्रथम में इस रास्ते को सही कराऊंगा और अपने विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीण छात्र-छात्राओं आम जनमानस को रास्ते के प्रति समस्या का सामना न करना पड़े। मेरी यह शुरू से मनसा रही है। आगे राजेंद्र सिंह खड्गबंशी ने कहा कि आज शुक्रवार को खड़ंजा निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। बहुत जल्दी रास्ता तैयार हो जाएगा। उसके बाद ग्रामीणों व छात्र-छात्राओं को 8 किलोमीटर घूम कर नहीं जाना पड़ेगा। वह अब एक किलोमीटर की दूरी ही तय करेंगे और अपने गंतव्य पर पहुंच जाएंगे। आगे खड़कबंशी ने कहा कि जहां भी मेरे संज्ञान में रास्ते नाली की समस्या आई है। मेरे स्तर से यदि वह कार्य हो सकता है तो मैंने उसे कार्य को प्राथमिकता दी है और कार्य को सही ढंग से कराया भी है। उन्होंने कहा कि गंगेश्वरी विकासखंड में अब कोई भी ग्राम पंचायत ऐसी नहीं है जहां मेरी निधि के द्वारा विकास कार्य न कराया गया हो। उन्होंने कहा कि आगे भी वह लगातार जनता की सेवा करते रहेंगे जनता के बीच रहेंगे। इस दौरान शिवकुमार, पूर्व प्रधान रामचंद्र, श्रीराम, महावीर, हरवीर, रामपाल, विपिन ठाकुर, उज्ज्वल ठाकुर, दिशपाल ठाकुर, परमसिंह, रामविमल, होरीलाल आदि ग्रामीण उपस्थित रहें।

सपा नेता स्वर्गीय मुलायम सिंह चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अभद्र टिप्पणी करने पर भड़के सपाई

डी एम को ज्ञापन सौंपकर की चिकित्सा अधीक्षक के खिलाफ की कार्यवाही की मांग

अमरोहा (सब का सपना):- स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव पर कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष मस्तराम यादव और पूर्व विधान परिषद सदस्य परवेज अली ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुणाल पाराशर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञात रहे कि घटना 12 जून की दोपहर की बताई गई जब एक महिला जिनकी तबीयत खराब थी अपने बेटे के साथ इलाज के लिए मंडी धनोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थी। वहां तैनात डॉ. कुणाल पाराशर द्वारा कथित रूप से महिला के परिजन के साथ अभद्रता और मारपीट की गई और इलाज के दौरान विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के दौरान डॉक्टर ने पूर्व रक्षा मंत्री व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिससे सपाई आक्रोशित हैं। ज्ञापन में यह भी बताया कि डॉक्टर का यह व्यवहार समाजवादी विचारधारा और नेताओं का अपमान है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने गाली-गलौज भी की और इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।सपाई नेताओं ने मांग की है कि डॉ. कुणाल पाराशर को सेवा समाप्त कर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जाए।

खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान, खाद्य विपणन एवं मंडी की समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा, रिक्त दुकान,खाद्य विपणन एवं मंडी की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम जिला पूर्ति अधिकारी ने राशन कार्डों के सत्यापन के विषय में अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया जिसको लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राशन की रिक्त लंबित दुकानों को लेकर विकासखंड वार चर्चा की गयी। मॉडल शॉप को लेकर भी निर्देशित किया। राशन उठान, परिवहन ठेकेदारों द्वारा संकरी गलियों में स्थित दुकानों तक राशन पहुंचाने के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कितनी दुकानों पर बड़ी गाडियां पहुंच सकती हैं तथा कितनी दुकानों पर छोटी गाडियां पहुँच सकती हैं तथा कितनी दुकानों पर बड़ी एवं छोटी गाड़ी नहीं पहुंच सकती हैं उनकी सूची शीघ्र उपलब्ध करायी जाए। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार तथा समस्त पूर्ति निरीक्षक, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल द्वारा विमान हादसे के दौरान मृतक लोगो को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी

चंदौसी/संभल। (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- शुक्रवार को कैथल गेट स्थित कैम्प कार्यलय पर व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि केंद्र सरकार को आज राष्ट्रीय शोक घोषित कर देना चाहिए । ये घटना हृदय विदारक है । इस दुखद हादसे में हताहत हुए लोगो के स्वजन के प्रति पूरे देश की विनम्र संवेदना है।व्यापार मंडल मांग करता है कि हादसे में जिन लोगो की जान गई है उनके परिवार के लिए केंद्र सरकार एक सरकारी नोकरी और घायल डॉक्टरों के सम्पूर्ण इलाज कराए। भाजपा नेता अंकुर अग्रवाल ने कहा केंद्र सरकार को चाहिए इस घटना की उच्च स्तर की जांच करा कर दोषीयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए।अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमान के हादसे में मृतकों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की और बीजे मेडिकल कॉलेज के घायल डॉक्टरों की जल्दी स्वस्थ्य होने की प्रार्थना की।इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता डॉ टी एस पाल, देवेन्द्र गुप्ता'मोनू',अमित दिवाकर,तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल, शुभम अग्रवाल, राजू ठाकुर, सालिम खान, मधुप गुप्ता, हरेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने पर मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना) श्यो सिंह सैनी:- नगर पंचायत क्षेत्र के मोहल्ला अलीनगर में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने अपने कैंप कार्यालय पर भाजपा कार्यकताओं के साथ मिलकर अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने पर 266 लोगों की मृत्यु होने पर 2 मिनट का मोन रखकर कैंडल मार्च निकाला। वीरेंद्र सिंह सैनी ने कहां की अहमदाबाद के इलाके में कल एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना और दुख प्रकट करते हुए ईश्वर से मृतक आत्माओं की शांति के लिए मोन धारण किया गया है इश्वर मृतकों की आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिवार वालों को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वहीं जो लोग अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं उनको शीघ्र स्वस्थ करें। यह घटना बहुत ही दुखद घटना है इस घटना से सभी देशवासियों को बहुत बड़ा आघात पहुंचा है। इस दौरान भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह सैनी, इकराम सैफी ,अरशद हयात, भगवान दास सैनी ,जीशान मलिक, रहमत अली,,जय सिंह, बहार आलम,सचिन चौहान, राजेंद्र सैनी, सुनील कुमार सैनी, आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतिनिहित विधायन समिति की बैठक का आयोजन, जिले में विकास कार्यों को लेकर की गई चर्चा

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश विधानसभा की प्रतिनिहित विधायन समिति की वैठक सभापति विपिन कुमार डेविड की अध्यक्षता में रामवीर सिंह सदस्य गणेश चौहान सदस्य अरुण पाठक सदस्य विधायन समिति की उपस्थिति में प्रथम उप समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने सभापति विपिन कुमार को एक-एक करके जनपद के विकास कार्य की जानकारी हासिल कराई। सभापति ने राज्य कर विभाग पंचायती राज बेसिक शिक्षा पर्यटन परिवहन वन विभाग चिकित्सा लोक निर्माण नगर निकाय राजस्व सहित अन्य संबंधित विभागों की समीक्षा किया। सभापति ने राज्य कर विभाग की समीक्षा कर निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में व्यापारियों का शोषण ना हो व्यापार कर विभाग द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उनका लाभ लोगों को मिले। व्यापारियों की बैठक रेगुलर होती रहे और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से कराया जाए। सभापति ने राज्य कर विभाग के अंतर्गत धारा 124 125 और 129 के अंतर्गत की गई कार्यवाही की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। नगर निकायों की समीक्षा करते हुए बंदन योजना के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी ली कितना कार्य पेंडिंग है कितनी धनराशि जारी की गई है कार्य पूरे होने की समय सीमा क्या है जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। कहा यह सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। अनदेखी न करें ठीक ढंग से कार्य करें और योजना को पूर्ण करें। कहा डोर टू डोर कलेक्शन रेगुलर हो सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत कार्य ठीक ढंग से किया जाय। कहा नगर निकायों और पंचायती राज विभाग द्वारा जो जन्म और मृत प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं वह प्राथमिकता के साथ जारी करें कोई भी लंबित न रहे । पंचायती राज विभाग की समीक्षा कर सामुदायिक शौचालय व पंचायत सचिवालय की जानकारी ली की चल रहे हैं या नहीं ।कहा जो लापरवाह सफाई कर्मी है या अन्य कर्मचारी हैं उन पर प्राथमिकता के साथ करवाई किया जाए जो धराशाई खर्च करने मे लापरवाही की गई है उन पर क्या कार्यवाही की गई है जान कारी ली। कहा सफाई कर्मियों के मोबाइल नंबर और नाम पंचायत घर और प्राथमिक विद्यालय में लिखा जाए। प्रत्येक सफाई कर्मी की जिम्मेदारी फिक्स किया जाए कौन से सफाई कर्मी किस ग्राम पंचायत में कार्य करेगा और किस टाइम से किस टाइम तक करेगा निर्धारित किया जाए। पंचायती राज विभाग में लापरवाह व प्राइवेट बाबू कार्य न करें इस पर निगरानी रखें। अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप ने जनपद में पट्टा आवंटन के लक्ष्य और मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के प्रकरणों की जानकारी हासिल कराई ।निर्देश दिए की जो भी धनराशि दुर्घटना बीमा योजना के लिए दी गई है वह लंबित न रहे वितरण कर दिया जाय । अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी से कितनी नई सड़क की स्वीकृत की गई है कितने पर काम चल रहा है खराब सड़क व मरम्मत योग्य सड़कों की जानकारी ली और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए । अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी और संभागीय परिवहन अधिकारी को संयुक्त रूप से निर्देशित करते हुए कहा सड़क सुरक्षा समिति की बैठक रेगुलर होती रहे जंहा ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं उनके ब्लैक स्पॉट चिन्हित करें। बेसिक शिक्षा विभाग के छात्रों के नामांकन के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि जो नए नामांकन किए गए हैं उनको डीबीटी के तहत लाभ दिलाया जाए कोई भी सत्यापन के पश्चात लंबित न रहे। बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि कस्तूरबा गांधी के विद्यालयों में जो बच्चे अध्यनरत हैं उन्हें अच्छा खाना मिले उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। जिला बन अधिकारी से पौध रोपण की जानकारी ली। कहा कि मिट्टी का परीक्षण कराएं कौन सा पौधा किस जगह में अच्छा विकास करेगा वही पौधे लगाएं। वृक्षारोपण के पश्चात उनको बचाने के लिए भी कार्य करें जो पिछले वर्ष वृक्ष लगाए गए हैं वह सब सुरक्षित रहें यह ध्यान दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी से चिकित्सालयों में डॉक्टर की उपलब्धता और दवाओं की उपलब्धता की जानकारी ली ।कहा कि स्टोर में सभी दवाएं हो और दवाओं की सूची बोर्ड में चस्पा करें । खनन की समीक्षा कर किसानों से कितने मिट्टी खदान से संबंधित आवेदन आए कितने पर पेनालिटी लगाई गई जानकारी लेकर निर्देशित किया कि कृषकों को मिट्टी से संबंधित कोई समस्या ना हो । बैठक के समापन के पश्चात सभापति व सदस्य द्वारा कलक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण किया गया । बैठक के अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बृजेश त्रिपाठी अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप जी परियोजना निदेशक अमरेन्द्र प्रताप सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने ली नारकोटिक्स समिति की बैठक, नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नारकोटिक्स से सम्बंधित वैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित करते हुए कहा कि एक माह में अभियान चलाकर सड़क किनारे खड़े भांग के पौधों को नष्ट कराया जाए। औषिधि निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि जो मेडिकल स्टोर जनपद में चल रहे हैं। और नशीली दवाओं का विक्रय करते हैं उनकी पकड़ किया जाए और उन पर प्रभावी कार्यवाही किया जाए। जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि नशा मुक्ति अभियान में समाजसेवी संस्थाओं व्यक्तियों जनप्रतिनिधियों और एनजीओ का सहयोग लेकर गंभीर कार्यवाही किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूल के पास कोई भी भांग व नशे से संबंधित दुकान ना हो जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कहा युवाओं द्वारा नशा किए जाने की प्रबृत्ति के मूल कारणों तथा प्रक्रियाओं के बारे में सूचना एकत्र कर विभिन्न स्तरों परिवार विद्यालय सामाजिक व धार्मिक समागम वाले स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। नशीले पदार्थों के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को इसके प्रति सावधान किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं में नशे की लत से छुड़ाने के लिये प्रभावी कार्यवाही की आवश्यकता है। आने वाली पीढ़ी नसे में न पड़े नसे में पूरा परिवार प्रभावित होता है इस लत से समाज को बचाया जाय। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर भगत सिंह जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र सहित अन्य नशा मुक्ति अभियान से जुड़े विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

ऑल इंडिया उलेमा व मशएख बोर्ड ने हादसे का दुख प्रकट किया

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- ऑल इंडिया उलेमा व मशएख बोर्ड के मरकाजी मदरसा गौसुल आलम में चंदौसी की आवाम ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया 242 यात्रियों और चालक दल को लेकर लंदन जा रहे एयर इंडिया का विमान गुरुवार दोपहर 1:38 पर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद रिहायशी इलाके मेघानी नगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें 242 लोगों की जान चली गई जिसमें 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे अहमदाबाद से रवाना हुई इस उड़ान में 169 भारतीय नागरिक 53 ब्रिटिश नागरिक एक कनाडा नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक थे बोर्ड के सदस्य हाजी शाह अलम मंसूरी ने कहा यह दिल को झंझोड़ देने वाली घटना है इस दुख की घड़ी में हम पीड़ित लोगों के और उनके परिवार के साथ हैं उनके गम में शरीक है हाफिज मतीन अशरफी ने कहा की इस घटना से पूरे देश में शोक की लहर है और अल्लाह से दुआ है की शहीद होने वाले लोगों की मगफिरत फरमाए और उनके घर वालों को सब्र अदा फरमाए इस मौके पर हाफिज मतीन अशरफी, शाह अलम मंसूरी, मुजीब कुरैशी, नजर मोहम्मद उर्फ बाबू, रियाज अहमद, सभासद ऑफिस, मोहम्मद कैफ, अशरफी अबरार, हुसैन मोहम्मद, अशरफ अशरफी, मोहम्मद तारिक, अनवर हाफिज आजाद आदि लोग शामिल थे।

पुलिस भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मान समारोह में किया गया पुरस्कृत

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड (सब का सपना):- कैरियर मास्टर कोचिंग सेंटर में अध्ययनरत 30 अभ्यर्थियों का उ0प्र0 पुलिस में कांस्टेबल के पद पर चयनित होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथियों ने चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया। शुक्रवार को गढ़ नगर के अम्बेड़कर भवन में कैरियर मास्टर कोचिंग सेंटर के तत्वाधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व चैयरमेन सोना सिंह व संचालन डॉ0 अरुण त्यागी ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम में निदेशक सुरेश कुमार ने बताया कि इस बार उनके संस्थान से उ0प्र0 पुलिस में 30 अभ्यर्थियों का चयन कांस्टेबल के पद पर हुआ है। जिनमें से नौ लड़कियों ने सफलता पाई है जो क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में मौजूद अथितियों ने सभी सफल अभ्यर्थियों को फूलमाला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाऐं दी। इस अवसर पर निदेशक सुरेश कुमार, कृष्ण ढ़ोला, मिलिन एड़वोकेट, विनोद चन्द्रा, सुहेल हैदर, जगवीर चौहान, मनीष सागर, ओमपाल चौहान, राकेश चौहान, जोगेंद्रपाल, लखेन्द्र सिंह, मा0 मनोज, गुरुदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

विश्व बालश्रम निषेद दिवस के उपलक्ष्य में बालश्रम के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया...

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश के अनुक्रम एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक कुमार सिद्धू के निर्देश के क्रम में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के उपलक्ष में बाल श्रम के विरुद्ध श्रम विभाग NGO जस्ट राइट व थाना AHT की संयुक्त टीम द्वारा जन जागरूकता गोष्ठी एवं कार्यशाला तथा जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त पुलिस बाल कल्याण अधिकारियों की मासिक गोष्ठी नगर पालिका परिषद सभागार संभल में आयोजित की गई । जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट सम्भल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद संभल, बाल कल्याण समिति जनपद संभल, चिकित्सा विभाग, श्रम विभाग जनपद सम्भल, जिला प्रोबेशन अधिकारी जनपद संभल, जिला पंचायत राज अधिकारी जनपद संभल, थाना AHT प्रभारी, गौरी शंकर प्रोजेक्ट मैनेजर जस्ट राइट्स प्रयत्न संस्था जनपद संभल व व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। गोष्ठी में बाल श्रम को रोकने के बारे में विचार व्यक्त किए गए तथा बाल श्रम रोकना सभी का कर्तव्य है किस प्रकार हम जनपद को बाल श्रम मुक्त कर सकते है व बाल श्रम कराने से संबंधित अपराधों की भी जानकारी दी गई । तथा विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के उपलक्ष में थाना ए0एच0टी0 द्वारा हयातनगर थाना क्षेत्र में बाल श्रम के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया अभियान में उजाला इंडिया ईंट उद्योग, अल मकम ब्रिक वर्क, श्री गणेश ईंट उद्योग, लहरा कुमरगर भट्ठा, जय अंबे गौरी ईंट भट्टा, जय नीलकंठ ब्रिक वर्क, जय शिव शक्ति ब्रिक वर्क, जय श्री कृष्णा ब्रिक वर्क, न्यू खान ब्रिक वर्क, इंसान ब्रिक वर्क, कुल 10 भट्ठों को चेक किया। थाना एएचटी की टीम द्वारा प्रत्येक भट्टे पर जाकर भट्ठा मालिक /मैनेजर/ मुंशी व अन्य को बाल श्रम में बच्चों को न लगाने के संबंध में जागरूक किया गया एवं बताया गया कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर ना रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई ' अभियान में प्रभारी निरीक्षक थाना AHT सत्य विजय सिंह, हेड का0 दीपक सिंह, कांस्टेबल नवीन कुमार व चालक मयंक उपस्थित रहे।

यूपी में योगी की हत्या की रची जा रही साजिश, हिंदू संगठन बोले- खरोंच भी आई तो चुप नहीं बैठेंगे

मेरठ। विश्व हिंदू महासंघ भारत, हिंदू स्वाभिमान परिषद और गुरु गोरखधाम कामधेनु सेवा समिति के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की हत्या की साजिश रची जा रही है। चेतावनी दी गई कि यदि उन्हें खरोंच भी आई तो हिंदू संगठन चुप नहीं बैठेंगे। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश मंत्री पंडित अमित भारद्वाज के नेतृत्व में तीनों संगठनों के पदाधिकारी पहले कमिश्नरी चौराहे पर पहुंचे। यहां से वह जुलूस के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे। यहां पर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि 10 जून को मुख्यमंत्री का बहराइच जनपद में एक कार्यक्रम होना था, लेकिन एक दिन पहले एक ग्रामीण ने बहराइच के विधायक को सूचना दी कि कार्यक्रम स्थल पर विस्फोटक है, जिसके बाद पुलिस वहां पर पहुंची और विस्फोटक को बरामद कर लिया। करीब 500 किलोग्राम विस्फोटक था, जिसके बाद कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि इससे साफ है कि योगी की हत्या की साजिश रची जा रही है। जिसमें देश के ही कुछ लोग तो शामिल ही है, साथ ही आतंकी संगठन भी सक्रिय है। चेतावनी दी कि यदि उन्हें कुछ भी हुआ तो हिंदू संगठन चुप नहीं बैठेंगे। ज्ञापन देने वालों में सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

परिषदीय स्कूलों में इतने दिन बढ़ाई गई छुट्टी, भीषण गर्मी के कारण लिया गया फैसला; पढ़ें आदेश

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू को देखते हुए परिषदीय स्कूलों की छुट्टी बढ़ा दी गई है। अब छात्र-छात्राओं के लिए स्कूल 30 जून तक बंद रहेंगे। पहले 20 मई से 15 जून तक स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई थी। 16 जून से बच्चों को स्कूल जाना था। हालांकि शिक्षकों को 16 जून से स्कूल जाना होगा। उप्र बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने इसके लिए आदेश पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि वर्तमान में अत्यधिक

गर्मी एवं हीटवेव को देखते हुए स्कूलों में 30 जून तक पठन-पाठन के लिए छात्र-छात्राएं नहीं आएंगे। एक जुलाई से स्कूल अपने निर्धारित समय पर नियमित खुलेंगे। जबकि, 16 जून से स्कूल खुल जाएंगे। इस दौरान स्कूल में शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय जाएंगे। वह शैक्षणिक, प्रशासकीय एवं अन्य कार्यों को पूर्ण करेंगे। हालांकि मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यालय प्रबंध समिति अपना निर्णय लेने के लिए अधिकृत है। वह अपने हिसाब से निर्णय ले सकते हैं।

लखनऊ में इंडियन आयल के डिपो में तीन खाली पेट्रोल टैंकरों में लगी भीषण आग

लखनऊ। तपिश वाली भीषण गर्मी के कारण इन दिनों आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होती जा रही है। राजधानी लखनऊ के थाना सरोजनीनगर क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर में इंडियन आयल के डिपो में खड़े टैंकर में आग लग गई। गनीमत रही कि टैंकर खाली था और फायर ब्रिगेड व टैंकर चालकों की सूझबूझ से आग बढ़ी नहीं अन्यथा एयरपोर्ट के लिए सप्लाई होने वाली पाइप लाइन भी चपेट में आ सकती थी। सरोजनी नगर में सुभम पैलेस के सामने पार्किंग एरिया खड़े इंडियन ऑयल अमौसी बॉटलिंग प्लांट के तीन तेल टैंकरों में भीषण आग लग गई। जिसके कारण तीन टैंकर खाक हो गए। यह क्षेत्र अमौसी एयरपोर्ट से मात्र पांच किलोमीटर दूर है। लखनऊ में अमौसी इंडस्ट्रियल इलाके में शुक्रवार को दोपहर में इंडियन आयल के डिपो में खड़े टैंकर में आग लग गई। आग लगने की वजह भीषण गर्मी बताई जा रही है। टैंकर में आग लगने के कारण पास में खड़े अन्य टैंकर चपेट में आये और जलकर खाक हो गए। टैंकर चालकों ने देखा कि दो टैंकर आग की चपेट में आए हैं तो अन्य चालक टैंकर लेकर भागे और बड़ी घटना को टाला। फायर ब्रिगेड की टीम सूचना के बाद मौके पर पहुंची और टैंकर चालकों की सूझबूझ से अन्य टैंकरों को आग से बचाया। फायर स्टेशन अफसर सरोजनी नगर सुमित कुमार सिंह ने बताया कि आग की सूचना पर आसपास के अन्य स्टेशन से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गई हैं। आग कैसे लगी अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल के पास से ही चौधरी चरण सिंह (अमौसी) एयरपोर्ट के लिए भी एक पाइपलाइन से ईंधन सप्लाई किया जाता है। हालांकि, अभी तक दमकल विभाग की तरफ से पाइपलाइन के संबंध में कोई बयान नहीं आया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी और प्रभारी अग्निशमन अधिकारी, सरोजनी नगर फायर टेंडर और अग्निशमन यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे। प्रभारी सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि तीन खाली टैंकरों में आग लगी थी और तीनों भीषण रूप से जल रहे थे।

ईओ डॉक्टर बृजेश कुमार के मार्गदर्शन में विकास और स्वच्छता की ऊंचाइयों को छू रही : नगर पालिका परिषद अमरोहा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में नगर पालिका परिषद ने हाल के वर्षों में विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस प्रगति के पीछे नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. बृजेश कुमार की दृढ़ इच्छाशक्ति और कुशल नेतृत्व रहा है। उनके नेतृत्व में अमरोहा शहर स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, और कर वसूली जैसे क्षेत्रों में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इस अवसर पर डॉ. बृजेश कुमार के कार्यों और उनके द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों की गहन पड़ताल की, जो शहर के लिए एक नई दिशा और दृष्टिकोण प्रदान कर रहे हैं। डॉ. बृजेश कुमार ने अपने कार्यकाल की शुरूआत से ही स्वच्छता को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में अमरोहा नगर पालिका ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हाल ही में, 26 अप्रैल 2025 को शुरू किए गए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण अभियान ने शहरवासियों के बीच सकारात्मक बदलाव लाया है। इस अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड में कूड़ा संग्रहण के लिए विशेष वाहन और कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जो न केवल कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करते हैं, बल्कि इसे रिसाइकिल करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। डॉ. बृजेश कुमार ने कहा, "हमारा लक्ष्य अमरोहा को उत्तर प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहरों में से एक बनाना है। इसके लिए हमने न केवल कूड़ा प्रबंधन को मजबूत किया है, बल्कि जन जागरूकता अभियान भी शुरू किए हैं।" उनके इस प्रयास ने शहर में कचरा प्रबंधन की स्थिति को काफी हद तक सुधारा है। इसके अलावा, नगर पालिका ने विभिन्न वार्डों में स्वच्छता कर्मियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की हैं। हाल ही में डॉ. बृजेश कुमार ने सफाई कर्मियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें उन्होंने कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया। इस बैठक में कर्मचारियों को तकनीकी उपकरणों और प्रशिक्षण के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। कर वसूली में ऐतिहासिक उपलब्धि डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व में अमरोहा नगर पालिका ने कर वसूली के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। डॉ. बृजेश ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए वार्ड-वार टीमें गठित कीं और विशेष वसूली शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में भवन स्वामियों के साथ समन्वय स्थापित कर बकाया राशि को जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। "शासन के निदेशों के अनुरूप, हमने शत-प्रतिशत कर वसूली का लक्ष्य रखा था, और हमारी टीम ने इसे हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, इस वसूली से प्राप्त धनराशि को नगर पालिका ने शहर के विकास कार्यों में निवेश किया है, जिसमें सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइटिंग, और जल निकासी प्रणाली का उन्नयन शामिल है। इस पहल ने न केवल नगर पालिका की वित्तीय स्थिति को मजबूत किया, बल्कि शहरवासियों के बीच प्रशासन के प्रति विश्वास भी बढ़ाया। अमरोहा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए डॉ. बृजेश कुमार ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरूआत की है। वही अमरोहा शहर के आजाद और बिजनौर रोड को रंगीन लाइटों से सजाया गया है, जिसने शहर की सौंदर्यता को बढ़ाया है। इसके अलावा, नगर पालिका ने विभिन्न वार्डों में सड़कों के पुनर्निर्माण और जल निकासी प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाएँ शुरू की हैं। डॉ. बृजेश ने जल निकासी की समस्या को हल करने के लिए विशेष ध्यान दिया है। अमरोहा में बरसात के मौसम में जलभराव एक प्रमुख समस्या थी, लेकिन उनकी देखरेख में कई नालियों का पुनर्निर्माण और सफाई की गई है। इसके परिणामस्वरूप, इस वर्ष बरसात के दौरान जलभराव की शिकायतों में कमी देखी गई है। सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान डॉ. बृजेश कुमार ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नगर पालिका परिषद की वेबसाइट के अनुसार, 14 अप्रैल 2025 को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर, डॉ. बृजेश कुमार और नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने एक भव्य आयोजन में हिस्सा लिया। इस आयोजन में सामाजिक समानता और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया। इसके अलावा, नगर पालिका ने विभिन्न सामाजिक जागरूकता अभियानों को भी समर्थन दिया है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, और शिक्षा के क्षेत्र में कई पहल शामिल हैं। डॉ. बृजेश ने इन अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्थानीय समुदाय को प्रेरित किया। डॉ. बृजेश कुमार की भविष्य की योजनाओं में अमरोहा को एक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करना शामिल है। इसके लिए उन्होंने डिजिटल प्रशासन को बढ़ावा देने की योजना बनाई है, जिसमें ऑनलाइन कर भुगतान, शिकायत निवारण प्रणाली, और नागरिक सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की पहल शामिल है। हमारा लक्ष्य अमरोहा को एक ऐसा शहर बनाना है, जहाँ नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध हों। इसके लिए हम तकनीक का उपयोग करेंगे और प्रशासन को और अधिक पारदर्शी बनाएंगे। डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व में अमरोहा नगर पालिका ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। स्वच्छता, कर वसूली, बुनियादी ढांचे का विकास, और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में उनके प्रयासों ने शहर को एक नई पहचान दी है। गंगा न्यूज की यह रिपोर्ट उनके कार्यों को न केवल सराहती है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि सही नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के साथ एक छोटा शहर भी बड़े बदलावों का गवाह बन सकता है। अमरोहा के नागरिकों का मानना है कि डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व में शहर और अधिक समृद्ध और सुंदर बनेगा। उनके इन प्रयासों ने न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाया है, बल्कि शहरवासियों के बीच एक नई उम्मीद और विश्वास भी जगाया है।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी के साथ योग करेंगे 40 देशों के राजनयिक, विशाखापत्तनम में होगा योग महाकुंभ

विश्व योग दिवस पर विशाखापत्तनम के रामकृष्ण बीच पर पांच लाख लोग रहेंगे मौजूद देशभर में 10 अलग-अलग स्थानों पर आयोजन से पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू के साथ 45 मिनट योग करने के बाद होगा पीएम मोदी का संबोधन

नई दिल्ली : प्रयागराज में आस्था के महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद अब बारी है, योग के महाकुंभ की। 21 जून को विश्व योग दिवस पर आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में रामकृष्ण डीूँ पर योग का महाकुंभ होगा। यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच लोगों की अनुपस्थिति में योग के जरिये एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य का संदेश देंगे, क्योंकि इस बार की थीम यही है। इस दौरान 40 देशों के प्रतिनिधि भी पीएम के साथ योग का आसन करेंगे। इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए 100 दिन पूर्व से तैयारियां चल रही थीं। पीएम मोदी सभी 10 आयोजनों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे पीएम मोदी रामकृष्ण डीूँ से ही देशभर के 10 स्थानों पर होने वाले आयोजनों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सीधे जुड़ेंगे। इसके अलावा योग संगम के तहत एक लाख आयोजन अलग-अलग जगहों पर होने जा रहे हैं। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने बताया कि योग दिवस पर आयोजनों का एक दशक पूरा हो गया है। ऐसे में इस बार का आयोजन बेहद महत्वपूर्ण है। आंध्र प्रदेश की सरकार इसकी तैयारी भी इसी तरह से कर रही है। इस आयोजन से पूरे देश में लाखों लोग जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर करीब 45 मिनट में 19 योग आसनों का प्रदर्शन करेंगे। विश्व योग दिवस को लेकर 60 देशों में गतिविधियां शुरू यह कार्यक्रम सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक चलेगा। इसके बाद उनका संबोधन भी होगा। इस दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, कई योग प्रशिक्षक, वालंटियर्स भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि विश्व योग दिवस को लेकर 60 देशों में गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं। 21 जून तक 170 से अधिक देशों में इस संबंध में आयोजन होंगे। सरकार की कोशिश है कि योग का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे और इसे एक नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाया जाए। दिल्ली में 111 स्थानों पर होंगे योग सत्र विश्व योग दिवस पर दिल्ली में केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से लाल किला, कर्तव्य पथ, लोधी गार्डन सहित 111 स्थानों पर योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसमें एक लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, दिल्ली नगर निगम, एनडीएमसी योगदान करेंगे। इन कार्यक्रमों में केंद्र व दिल्ली सरकार के मंत्री भी शामिल होंगे। इसके अलावा योग संगम के तहत 1300 से अधिक योग कार्यक्रम होंगे। इनका आयोजन निजी संस्थाओं, स्कूलों, कालेजों सहित अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा किए जाएंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है। इनकी संख्या आने वाले दिनों में बढ़ सकती है।

दिल्लीवासियों को प्रचंड गर्मी से मिलेगी राहत, तेज हवाओं के साथ बरसेंगे बादल; पढ़ें आईएमडी का ताजा अपेडट

नई दिल्ली। कल की तरह आज (शुक्रवार) को भी गर्मी से राहत नहीं मिली। दिन निकलते ही आसमान से आग बरसनी शुरू हो गई। भीषण गर्मी में लोगों का बुरा हाल है और लोग घरों से निकलते हुए भी डर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन राजधानी में भीषण गर्मी और लू का सितम जारी रहा। आसमान दिन भर साफ रहा तो तेज धूप सुबह से ही निकल गई थी। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में करवट देखने को मिल सकती है। 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने, गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने व हल्की वर्षा होने के आसार हैं। नोएडा में तापमान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42 और 29 डिग्री रह सकता है। संभावना है कि शुक्रवार को लू नहीं चलेगी। हालांकि, यलो अलर्ट भी जारी किया है। बृहस्पतिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक 30.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 4.0 डिग्री अधिक 43.9 डिग्री सेल्यियस रहा। यह दोनों ही तापमान इस सीजन में अभी तक के सर्वाधिक हैं। उमस का स्तर 73 से 39 प्रतिशत दर्ज हुआ तो हीट इंडेक्स भी 54.8 डिग्री तक पहुंच गया। यानी कहने का अभिप्रायः यह कि बृहस्पतिवार का दिन इस सीजन में हर दृष्टि से सर्वाधिक गर्म रहा।

राजधानी की सड़कों पर मंडरा रहा खतरा, नींद से नहीं जाग रहे अफसर; पढ़िए पूरी रिपोर्ट

पूर्वी दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर इस तरह के हालात बने हुए हैं, लेकिन निगम, दिल्ली पुलिस व पीडब्ल्यूडी को नजर नहीं आते हैं। मंडावली, पटपड़गंज रोड, किशनकुंज, धर्मपुरा, दिलशाद गार्डन, नंद नगरी, सीमापुरी मयूर विहार, गाजीपुर समेत कई सड़कों पर खंभे झुके हुए हैं। कुछ खंभे आंधी में हुए तो कुछ जंक लगने के बाद टूट कर झुके हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी विभाग हमेशा हादसा होने के बाद जागते हैं। सवाल किया सरकारी अधिकारी व कर्मचारी क्या सड़कों का जरा भी निरीक्षण नहीं करते। अगर करते हैं तो उन्हें क्या खंभों की स्थिति दिखाई नहीं देती है। दिलशाद गार्डन में झुका हुआ है सीसीटीवी कैमरे का पोल दिलशाद गार्डन में गोलचक्कर के पास फुटपाथ पर लगा दिल्ली पुलिस के सीसीटीवी कैमरों का पोल सड़क पर झुक गया है। कभी भी गिर सकता है। हादसे की संभावना बनी हुई है। यह क्षेत्र के प्रमुख मार्ग का हाल है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि एक माह से पोल झुका हुआ है। कई बार पुलिस से मौखिक शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हादसा होने के बाद ही पुलिस की नींद टूटेगी। पोल काफी ज्यादा सड़क पर झुक़ा हुआ है। गोल चक्कर पर बड़े वाहन के गुजरने के दौरान टक्कर से पोल सड़क पर गिर सकता है। किशनकुंज में बीएसएनएल का खंभा टूटकर तारों पर झूल रहा है किशनकुंज में एसडीएम कोर्ट रोड पर बीएसएनएल का खंभा जंक लगने से टूट गया है। पिछले आठ माह से खंभा तारों के जरिये हवा में लटका हुआ है। यह रिहायशी क्षेत्र का व्यस्त मार्ग है। यह खंभा टूटकर गली में झूल रहा है। यहां के स्थानीय निवासियों का आरोप है कि गत दिसंबर में लक्ष्मी नगर के विधायक से खंभे की शिकायत की थी। वह क्षेत्र का निरीक्षण करने आए थे, तब समस्या दिखाई गई थी।

चांदनी चौक के ज्वेलर के कर्मचारी पर चाकू से हमला कर लूटी 40 लाख की ज्वेलरी

बाहरी दिल्ली: सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र में बदमाशों ने बृहस्पतिवार को दिनदहाड़े चांदनी चौक के एक ज्वेलर के कर्मचारी पर चाकू से हमला कर करीब 40 लाख मूल्य के सोने व चांदी के आभूषण की लूट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल कर्मचारी की पहचान सुभाष रामका के रूप में हुई है। घायल कर्मचारी को शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर आरोपितों का पता लगा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पुलिस आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी का दावा है कि जल्द ही आरोपितों को पकड़ लेगी। दोपहर तीन बजे ज्वेलरी के नमूने लेकर निकला था कर्मचारी उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर साढ़े तीन बजे सुभाष प्लेस थाना पुलिस को फोर्टिस अस्पताल से एक शख्स को चाकू लगने के बाद भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां सुभाष रामका का इलाज चल रहा था। पूछताछ करने पर पता चला कि पीड़ित चांदनी चौक के ज्वेलर पंकज जैन की दुकान में काम करते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन बजे सुभाष रामका अपने साथी गोपाल के साथ गहने के नमूने लेकर ज्वेलरों को दिखाने के लिए कोहाट मेट्रो स्टेशन पहुंचे थे। कुछ देर बाद दो अज्ञात बदमाशों ने सुभाष से बैग छीनने लगे। बैग में 357 ग्राम सोने और 7.50 किलो चांदी की ज्वेलरी थी विरोध करने पर बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गोपाल थोड़ी दूरी पर खड़ा था। हमला करने के बाद बदमाश बैग छीनकर रोहिणी की ओर भाग गए। बताया जा रहा है कि बैग में 357 ग्राम सोने की चेन और 7.50 किलो चांदी थे। जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है।

कैदियों की रिहाई पर मानवीय दृष्टिकोण जरूरी... कहते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया सजा समीक्षा बोर्ड के पुनर्गठन का निर्देश

नई दिल्ली: सजा सुनाने के सुधारात्मक नीति के तत्वों के उल्लेख वाले चाणक्य के अर्थशास्त्र का हवाला देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) के पुनर्गठन का निर्देश दिया है। हत्या के मामले में 18 साल से जेल में बंद कैदी की अपील याचिका पर विचार करने के बाद अदालत ने कहा कि कैदी को आंकड़े के बजाय मानवीय आधार पर देखना चाहिए। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ कहा कि एसआरबी का उद्देश्य कैदी के सुधार पर होना चाहिए, ऐसे मामले को सामान्य निपटारे के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। मानवीय आधार पर रिहा करना प्राचीन हिंदू न्यायशास्त्र का भाग पीठ ने यह भी कहा कि सजा पूरी होने से पहले कैदी को मानवीय आधार पर रिहा करना प्राचीन हिंदू न्यायशास्त्र का महत्वपूर्ण भाग था। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने दिल्ली सरकार को आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक दोषी की समयपूर्व रिहाई के आवेदन पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया। अदालत ने नोट किया कि कैदी ने पैरोल की अवधि पार कर ली थी, लेकिन उसके आवेदन को एसआरबी ने ठुकरा दिया था। अदालत ने सम्राट अशोक का भी दिया हवाला न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ सम्राट अशोक के कथन का उल्लेख है कि उन्होंने 26 वर्षों की अवधि में 25 बार कैदियों को छोड़ा था। अदालत ने नोट किया कि अपीलकर्ता दोषी ने बिना किसी छूट के 18 साल से अधिक समय तक और छूट के साथ 21 साल से अधिक समय तक कारावास में रहा था। उसने वर्ष 2004 में दिल्ली सरकार द्वारा बनाई गई नीति का लाभ मांगा था। अपीलकर्ता ने याचिका में तर्क दिया कि वर्ष 2010 में पैरोल से भागने की एक भी चूक को अब 15 साल बाद स्वतंत्रता से वंचित करने के लिए नहीं माना जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि निश्चित तौर पर अपीलकर्ता द्वारा किया गया अपराध जघन्य था और उससे सख्ती से निपटने की आवश्यकता थी, लेकिन कोई यह भी अनदेखा नहीं कर सकता कि उक्त अपराध वर्ष 2001 में हुआ था। याचिकाकर्ता को जेल अधिकारियों ने कई प्रशंसा पत्र भी दिए पीठ ने कहा कि जहां तक पैरोल से भागने और दो अन्य आपराधिक मामलों में फिर से गिरफ्तार होने का सवाल है तो उक्त अपराध भी वर्ष 2015 में हुआ था। पीठ ने कहा कि वर्ष 2015 के बाद अपीलकर्ता की ओर से जेल में किसी भी तरह के कदाचार के आरोप सामने नहीं आया है, उल्टा याचिकाकर्ता को जेल अधिकारियों द्वारा कई प्रशंसा पत्र दिए गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि याचिकाकर्ता उन दो मामलों में बरी हो गया है। उक्त टिप्पणियों व निदेशों के साथ अदालत ने याचिका का निपटारा कर दिया।

वारदात को अंजाम देने की फिराक में था बदमाश, तभी आ धमकी पुलिस; मैगजीन-पिस्तौल समेत गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली। आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले एक बदमाश को बाहरी-उत्तरी जिला एएटीएस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से एक पिस्टल, दो गोली, मैगजीन और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस अधिकारी संदीप गुप्ता ने बताया कि 11 जून की रात 08:10 बजे पुलिस टीम को एक गुप्त मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसके पास अवैध हथियार है, वह नीले रंग की बाइकसे गंदा नाला रोड सेक्टर-25 के रास्ते रोहिणी दिल्ली के सेक्टर-16 में अपने सहयोगी से मिलने आएगा। जिसके पास अवैध हथियार भी है। सूचना के आधार पर, इंस्पेक्टर प्रमोद तोमर के नेतृत्व में छापेमारी कर आरोपित व्यक्ति सागर उर्फ काला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसके कब्जे से एक सेमी आटोमेटिक पिस्तौल, दो कारतूस, एक मैगजीन और एक चोरी की मोटर साइकिल बरामद की गई। थाना शाहबाद डेरी पुलिस ने 25,54,59 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। पूछताछ के दौरान सागर उर्फ काला ने बताया कि वह बरामद हथियार और कारतूस शकुरपुर इलाके में मोनी नामक व्यक्ति से अपराध करने के इरादे से खरीदता है। उसने आगे बताया कि उसने चोरी की मोटरसाइकिल अपने गांव के भूषण नामक व्यक्ति से खरीदी थी। पुलिस अब हथियार बेचने वाले का पा लगा रही है।

दिल्लीवालों के लिए गुड न्यूज, इन इलाकों में लगेंगे बिजली-पानी के स्मार्ट मीटर

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की काउंसिल की बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसमें प्रमुख तौर पर बिजली-पानी के नए स्मार्ट मीटर लगाने के साथ ही भूमिगत पुराने हो चुके बिजली के तारों और नालों की सफाई व कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रस्ताव पारित किए गए हैं। हालांकि चुनाव पूर्व प्रवेश वर्मा द्वारा तालकटोरा स्टेडियम का नाम बदलने का प्रस्ताव पहली ही काउंसिल की बैठक में पारित करने का वादा पूरा नहीं हो सका। इसमें प्रवेश वर्मा ने सफाई दी है कि उन्होंने प्रस्ताव को गृहमंत्रालय को भेज रखा है जैसे ही प्रस्ताव को मंजूरी मिलेगी नाम बदलने का कार्य पूरा कर दिया जाएगा। काउंसिल की बैठक के बाद प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने बताया कि दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता में काउंसिल की बैठक में कई अहम प्रस्तावों को पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों को स्वच्छ पानी देने और पुराने पानी के मीटरों को बदलने के लिए एनडीएमसी ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सभी मीटर स्मार्ट करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह मीटर मैगेनेटिक प्रूफ होंगे। साथ ही मीटर में यह भी देखा जा सकेगा कि पानी कितनी तेजी से आ रहा है या पानी की आपूर्ति धीमी गति से हो रही है। उन्होंने बताया कि 30.84 करोड़ रुपये की राशि इस कार्य के लिए मंजूर की गई है। वहीं पिलंजी गांव के आस-पास की पानी की पाइपलाइन को चरणबद्ध तरीके से बदला जाएगा। इसमें 66.44 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। इसमें एनबीसीसी ने सरोजनी नगर में किए जा रहे पुनर्विकास के तहत इन लाइनों को बदलने का आग्रह किया था। इसके साथ ही एनडीएमसी ने पुराने भूमिगत बिजली के तारों को बदलने का निर्णय भी लिया है। एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने बताया कि 33 केवी की ईएसएस स्कूल लेन, सिंधिया हाउस 33 केवी, ईएसएस निर्माण भवन से ईएसएस विद्युत भवन, शाहजहां रोड और बापूधाम की पुरानी बिजली की तारों को बदला जाएगा। 6.75 करोड़ रुपये का इसके लिए बजट मंजूर किया गया है। वहीं, दिल्ली में होने वाले बड़े कार्यक्रमों में आने वाले लोगों के लिए अस्थायी आरामग्रह भी बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। इसमें 4.18 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। चहल ने यह भी बताया कि कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एनडीएमसी ने 570 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव मंजूर किया है। जो कि एनडीएमसी के बजट का एक प्रतिशत है। सुनहरी पुल नाले की सफाई के लिए 70 करोड़ रुपये मंजूर दिल्ली मेट्रो के सहयोग से दयाल सिंह कालेज से सुनहरी पुल नाले तक हो रही नाले की सफाई के लिए

पूर्वी दिल्ली में स्कूटी पर जा रहे कारोबारी का गला मांझे से कटा, गले पर आए 13 टांके

पूर्वी दिल्ली: न्यू उस्मानपुर थाने के पास पांडूशिला रोड पर बृहस्पतिवार शाम स्कूटी सवार एक कारोबारी का तेज धार मांझे की चपेट में आकर गला कट गया। गले से खून बहने लगा। पीड़ित रिषभ गुप्ता किसी तरह से स्कूटी चलाकर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचे। खून अधिक बहने पर उन्हें किसी दूसरे अस्पताल रेफर करने के लिए कह दिया गया। पीड़ित ने अपने भाई को बुलाया और पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल गए। कारोबारी के गले पर 13 टांके आए हैं। न्यू उस्मानपुर थाना ने पीड़ित के बयान दर्ज कर लिए हैं। अभी केस दर्ज नहीं हुआ है। हादसे के वक्त ऑफिस से घर लौट रहा था कारोबारी रिषभ गुप्ता परिवार के साथ पटपड़गंज में रहते हैं। उनका ई-कामर्स का कारोबार है। ब्रह्मपुरी क्षेत्र में उन्होंने अपना आफिस बनाया हुआ है। पीड़ित ने बताया कि वह बृहस्पतिवार शाम को स्कूटी से आफिस से घर लौट रहे थे। जब उस्मानपुर थाने के पास पांडुशिला रोड पर पहुंचे। स्कूटी की रफ्तार तेज होती हो बचना होता मुश्किल अचानक से मांझा आया और उनके गले में धंसता चला गया। पीड़ित ने मांझे को रोकने के लिए हाथ आगे किया तो उनकी अंगुली भी चपेट में आ गई। पीड़ित जब तक स्कूटी रोक पाते काफी गहरा कट गले पर लग चुका था। कहा कि अगर स्कूटी की गति तेज होती तो उनका बच पाना मुश्किल था। गति कम थी, इस वजह से उन्होंने समय पर स्कूटी ब्रेक लगाकर रोक ली।

वकील को हनीट्रैप में फंसाया, फिर युवती ने पार्क में ले जाकर किया ऐसा कांड; दंग रह गए अफसर

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में लाजपत नगर में तीन आरोपितों ने एक अधिवक्ता को हनी ट्रैप फंसाकर एक पार्क में बुलाकर उनकी जमकर पिटाई की। फिर आरोपितों ने पीड़ित से 50 हजार रुपये लूट लिये और मौके से फरार हो गए। इस संबंध में लाजपत नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में भजनपुरा निवासी मनीष शर्मा ने बताया कि वह अपने परिवार वह जिला अदालत में वकील है। उन्होंने बताया कि करीब एक महीने पहले उनके पास एक नंबर से व्हाट्सऐप काल आई। काल करने वाली युवती ने अपना नाम श्रृष्टि बताया। महिला ने अधिवक्ता ने एक केस के बारे में बातचीत की। फिर उसे केस के सिलसिले में मिलने के लिए सात जून को साकेत कोर्ट में बुलाया। पीड़ित को भी उस दिन एक अन्य केस के सिलसिले में साकेत कोर्ट आना था। इसलिए उन्होंने ने भी हामी भर दी। जब वकील साकेत कोर्ट पहुंच गए तो महिला ने उन्हें लाजपत नगर के एक पार्क में आने के लिए कहा। वहीं, इस पर पीड़ित अधिवक्ता अपने क्लाइंट पंकज के साथ उसकी गाड़ी से लाजपत नगर पहुंच गया। वहां उसे महिला मिली। पंकज अपनी गाड़ी में बैठा रहा और अधिवक्ता युवती से पार्क के बाहर खड़ा होकर बात करने लगा। तभी श्रृष्टि ने उसे पार्क में चलने के लिए कहा तो वह उसके साथ चले गए। जब वह पार्क में बैठे तो तभी महिला के तीन साथी आ गए। अधिवक्ता का आरोप है कि आरोपितों ने उन्हें पीछे से पकड़ लिया और मारपीट की। इसी बीच बदमाशों ने पीड़ित से 50 हजार रुपये लूट लिये और फरार हो गए। आरोपितों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। फिर पीड़ित ने अपने क्लाइंट की मदद से पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अधिवक्ता को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।

अब दिल्ली में फटाफट होंगे विकास कार्य, सीएम रेखा गुप्ता ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बाहरी दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आज उत्तर-पश्चिम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी विधानसभाओं में चल रहे विकास र्यों और उनसे संबंधित समस्याओं को लेकर समीक्षा बैठक की गई। मुख्यमंत्री ने सड़क नेटवर्क, जल आपूर्ति, नालों की सफाई, स्ट्रीट लाइट, ड्रेनेज और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास परियोजनाओं को तय समयसीमा के भीतर, उच्च गुणवत्ता के साथ और प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। इस बैठक में भीमराव अंबेडकर अस्पताल के नए ब्लॉक के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। बृहस्पतिवार को सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने विकासपुरी से मुकरबा चौक तक रिंग रोड के रेनोवेशन कार्य पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मार्ग दिल्ली के प्रमुख आवागमन मार्गों में से एक है, जो हजारों लोगों की दैनिक आवाजाही का हिस्सा है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस सड़क का पुनर्निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए। यह भी निर्देश दिए कि सड़क के दोनों ओर हरित पट्टियों (ग्रीन बेल्ट्स) को बढ़ाया जाए। वह स्वयं 30 जून को इस रेनोवेशन कार्य का निरीक्षण करेंगी। मुख्यमंत्री ने रोहिणी सेक्टर-4 में ओल्ड ऐज होम के निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने एमसीडी को मंगोलपुरी में स्थित स्टेडियम को आम जनता के उपयोग के लिए खोलने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने दिल्ली परिवहन निगम बस स्टाप्स की स्थिति का भी जायजा लिया गया व क्षेत्र के सभी बस स्टैंड्स को आधुनिक स्वरूप में विकसित करने को कहा। बैठक के दौरान नरेला क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जलभराव और अव्यवस्थित ड्रेनेज व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। मुख्यमंत्री ने इन गांवों में स्थायी और सुदृढ़ जल निकासी प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के नालों की सफाई को लेकर भी चर्चा की और कहा कि सभी नालों से गाद हटाने का कार्य तत्काल प्राथमिकता पर पूरा करे। बैठक में सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा, राजकुमार चौहान, अहीर दीपक चौधरी, राज करण खत्री, गजेंद्र दराला, मनोज कुमार शौकीन समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वे एक करोड़ दे रहे हैं, मैं दो करोड़ देती हूं... मुझे मेरे पिता लौटा दो

-विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी का दर्द

अहमदाबाद (एजेंसी)। आप एक करोड़ देना चाहते हो, मैं आपको दो करोड़ दूंगी, बस मेरे पापा वापस कर दो...ये शब्द हैं विमान हादसे में अपने पिता को खो चुकी बेटी फाल्गुनी के है। फाल्गुनी ने जब ये कहा वहां मौजूद हर इंसान की आंख नम हो गई। उसकी आवाज में क्रोध था, लाचारी थी, लेकिन सबसे अधिक था बेटी का अपने पिता के प्रति प्रेम। फाल्गुनी सवाल पूछती हैं, कोई बता दें कि मेरे पापा की क्या गलती थी जो फ्लाइट में बैठे थे। मैं बेटी हूं, मुझे मेरे पापा वापस ला कर दो। एअर इंडिया क्या मजाक बना कर बैठी है, कोई जवाब नहीं, कोई संवेदना नहीं। रोते हुए गुस्से में फाल्गुनी ने कहा कि वे एक करोड़ देने की बात कर रहे हैं, मैं दो करोड़ दूंगी, लेकिन बदले में मेरे पापा वापस ला दो। क्या पैसे से इंसान खरीदे जा सकते हैं? फाल्गुनी कहती है कि मेरे पिता एक देशभक्त थे। वे खुद को एअर इंडिया का गौरवशाली यात्री मानते थे। वे अक्सर कहते थे, एअर इंडिया हमारा गर्व है, ये देश की शान है। फाल्गुनी कहती हैं कि बंद कर दो एअर इंडिया अगर आप सुरक्षित उड़ान नहीं भरवा सकते। ये कोई मजाक नहीं है।

पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरते ही अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

पठानकोट (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एम17 अपाचे हेलीकॉप्टर की शुक्रवार को पठानकोट के नंगलपुर इलाके में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। माना जा रहा है कि तकनीकी खराबी के कारण एहतियातन लैंडिंग कराई गई। इसमें किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। अपाचे हेलीकॉप्टर ने पठानकोट एयरबेस से उड़ान भरी थी। पुलिस ने कहा कि पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को तकनीकी दिक्कतों के बाद खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। अभी तक भारतीय वायुसेना की ओर से आपातकालीन लैंडिंग के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशनल और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सार्वजनिक सुरक्षा या बुनियादी ढांचे को कोई खतरा नहीं है। इससे पहले 6 जून को भी इंडियन एयरफोर्स के एक अपाचे हेलीकॉप्टर की उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया था कि एक नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अपाचे हेलीकॉप्टर ने सहारनपुर के पास एहतियातन लैंडिंग की। कुछ घंटे बाद एयरफोर्स के टेक्नीशियन की मदद से हेलीकॉप्टर को सहारनपुर एयरबेस पर वापस लाया गया।

दुखी होकर बोले अभिनेता अनुपम खेर– ये हादसा सिर्फ खबर नहीं, दुखों का पहाड़ है

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और कहा कि वह हादसे से प्रभावित हुए परिवारों के साथ खड़े हैं। वीडियो में अनुपम कहते हैं, अहमदाबाद में हुआ विमान हादसा सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि यह दुख का पहाड़ है, जो न जाने कितने घरों पर टूट पड़ा है। वह विमान सिर्फ चलती हुई एक मशीन नहीं थी, वह एक उम्मीद थी, जिसमें बैठे थे हमारे अपने, कोई भारत से था, कोई विदेश से था, कोई किसी की मां थी, कोई बेटे के पास लौट रहा था, तो कोई नौकरी के सफर में था। कोई छुट्टी मनाकर वापस घर जा रहा था, लेकिन किसी को भी क्या पता था कि यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगी। अनुपम खेर वीडियो में आगे कहते हैं, मन बेचैन है, दिल मौन है और आंखें नम हैं। हम सब उन परिवारों के साथ हैं, जो आज अपनों को खो बैठे हैं। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि जो लोग इस हादसे में दिवंगत हुए उनकी आत्मा को शांति मिले और जो लोग इस समय पीड़ा में हैं, उन्हें धैर्य, साहस और सहारा दे। उन्होंने आगे कहा, आज न तो भाषा काम आ रही है, और न ही कोई तर्क, बस एक बात कहनी है, हम आपके साथ हैं। पूरी इंसानियत आपके साथ है। और हमारा देश हर पीड़ित परिवार को नमन करता है। ओम शांति, नमन और श्रद्धांजलि। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनुपम ने कैप्शन में लिखा– अहमदाबाद विमान दुर्घटना– श्रद्धांजलि! ओम शांति!

दिव्यांग लड़की से दुष्कर्म के आरोप में आईआईटी का छात्र गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में एक 13 साल लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के छात्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार को लड़की की मां की शिकायत के आधार पर 23 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि कलवा इलाके में रहने वाले आरोपी ने नाबालिग दिव्यांग लड़की को नए कपड़े दिलाकर और बहला-फुसलाकर उसका यौन शोषण किया। अधिकारी ने बताया कि जांच दल ने आरोपी के मोबाइल फोन से यौन उत्पीड़न का एक वीडियो बरामद किया है, जिसमें अन्य लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें भी हैं। उन्होंने बताया कि शक है कि आरोपी ने पहले भी और महिलाओं को अपनी हवस का निशाना बनाया होगा। उन्होंने बताया कि जांच जारी है।

दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में बेखौफ अपराधियों ने दुकान में घुसकर ज्वेलर्स को गोली मार दी। लॉकर की चाबी देने से मना करने पर गोली मार दी। बुलेट चेहरे को छूते हुए निकल गई। आनन-फानन में परिजनों ने घायल को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया।

पैनलिस्ट के बयान पर एंकर को क्यों गिरफ्तार किया गया?

सुप्रीम कोर्ट ने तेलुगु पत्रकार को जमानत देते हुए पुलिस से किया सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तेलुगु पत्रकार कोमिनेनी श्रीनिवास राव को ज़मानत दे दी, जिन्हें आंध्र प्रदेश पुलिस ने अमरावती क्षेत्र की महिलाओं के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ़्तार किया था। ये टिप्पणियाँ इस महीने की शुरुआत में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के स्वामित्व वाले क्षेत्रीय समाचार चैनल साक्षी टीवी पर उनके डिबेट शो के दौरान की गई थीं।

न्यायालय ने राव द्वारा उनकी गिरफ़्तारी को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में यह आदेश पारित किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की एक आंशिक कार्य दिवस पीठ ने निर्देश दिया कि 70 वर्षीय पत्रकार, जिन्हें 9 जून को हिरासत में लिया गया था, को रिहा किया जाए। न्यायालय ने कहा कि यह राव नहीं थे, बल्कि कार्यक्रम के एक पैनलिस्ट ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। याचिकाकर्ता ने खुद लाइव टीवी शो में बयान नहीं दिया और उसके पत्रकारिता अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए ताकि उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। पीठ ने कहा, 'हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई गई शर्तों के अधीन एफआईआर में रिहा किया जाए।' पीठ ने राव को निर्देश दिया कि वह अपने शो में कोई अपमानजनक बयान न दें और न ही भविष्य के प्रसारणों में किसी अतिथि को ऐसा करने दें।

आंध्र प्रदेश सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पीठ ने राव के पत्रकारिता अधिकारों को बरकरार रखने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। 6 जून को साक्षी टीवी पर लाइव प्रसारित ये टिप्पणियां कथित तौर पर पत्रकार वीवी कृष्णम राजू द्वारा की गई थीं, जिन्होंने अमरावती क्षेत्र को कथित तौर पर 'वेश्याओं की राजधानी'

कहा था। आंध्र प्रदेश पुलिस ने 9 जून को राजू और राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

भारत में कोरोना को लेकर अच्छी खबर... सक्रिय मामलों में गिरावट आई

नई दिल्ली। भारत को कोविड-19 महामारी से जूझते हुए एक अहम और सकारात्मक मोड़ मिला है। लंबे समय से संक्रमण के बढ़ते आंकड़ों के बीच पहली बार राहत की खबर आई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 13 जून को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड के सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। बीते 24 घंटे में जहां कुल 200 नए मामले सामने आए, वहीं 223 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से घर पहुंचे है। इससे भारत में सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 7131 हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। इससे पहले 12 जून को यह आंकड़ा 7154 था। राज्यवार आंकड़ों के हिसाब से गुजरात में सबसे अधिक 77 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद राजस्थान में 32, उत्तर प्रदेश में 24, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में 14-14, असम में 7, हरियाणा और झारखंड में 5-5, पुडुचेरी में 4, लद्दाख में 3, और ओडिशा में 1 मामला दर्ज हुआ है। हालांकि, कोरोना संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या अब भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक नए वैरिएंट से 78 मौतें हुई हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 82 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई है। इससे पहले के दिन 3 लोगों की जान गई थी, जिसमें से महाराष्ट्र में 2, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 1-1 मौत हुई। अब तक सबसे अधिक मौतें महाराष्ट्र (21) और केरल (20) में दर्ज की गई हैं, जो दर्शाता है कि नए वैरिएंट का असर कुछ खास क्षेत्रों में अधिक है।

सरकारी नियंत्रण से मुक्त हों हमारे सारे हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थल

-कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज की मांग

वृंदावन (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर व न्यास गठन पर कथावचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा है कि वे शुरू से ही मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड बनाकर हिंदू मंदिर एवं तीर्थ स्थलों की व्यवस्था स्थानीय सनातनी भावनाओं के अनुरूप करनी चाहिए। वृंदावन में कांक्रीट का गलियारा न बने, बल्कि स्थानीय लोगों के सहयोग से तुलसी, लता-पता, वृक्षों से सजा मार्ग बने, जिसमें प्रवेश करते समय वास्तविक करोड़ों ठाकुरजी और लाड़ली जू के भक्तों को वृंदावन का आभास हो।

गंगोत्री धाम में भागवत कथा कह रहे देवकीनंदन ने कहा है कि बांके बिहारी मंदिर की परंपरागत सेवा-पूजा एवं व्यवस्था में बदलाव नहीं होना चाहिए। मुख्य मार्ग चौड़े होने चाहिए, लेकिन वृंदावन का सही मायने में विकास तभी माना जा सकता है, जब निर्मल यमुना की जलधारा आने लगे। स्वच्छ यमुनाजल से ठाकुरजी को स्नान कराकर सेवा पूजा की जा सके। ब्रज-वृंदावन मांस और मदिरा से मुक्त हो जाए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि तिरुपति मंदिर दूषित प्रसाद मामले के बाद से वह 'सनातन बोर्ड' की मांग इसलिए करते आ रहे हैं कि मंदिरों की पूजा पद्धिति एवं संस्कृति बची रहे।

देवकीनंदन ने कहा कि नमाज पढ़ने के लिए सरकार और प्रशासन सड़क पर भी व्यवस्था करवा देते हैं, इसके लिये ट्रैफिक को कंट्रोल कर डायवर्ट तक कर दिया जाता है। फिर बांके बिहारी जैसे मंदिरों में दर्शन को आने वाले यात्रियों के लिये उचित व्यवस्थाएं क्यों नहीं बना सकते है। उन्होंने कहा कि भगवान के दर्शन को पैदल चलकर जाने का शास्त्रीय विधान है। मंदिर से कुछ किलोमीटर दूर वाहन रोककर पैदल जाना चाहिये।

वोट बैंक को खुश करने में जुटी ममता, प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र नहीं

बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी सरकार पर हमलावर

कोलकत्ता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार द्वारा 10 जून 2025 को प्रस्ताव लाया गया। ममता सरकार का मुख्य मकसद पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले की निंदा और भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करने था। लेकिन जहां भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ होनी थी, वहां पाकिस्तान की तारीफ होने लगी। ममता सरकार के प्रस्ताव के साथ ही राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी ने ममता सरकार के प्रस्ताव की तीखी आलोचना की है।

बंगाल विधानसभा में रखे गए प्रस्ताव में जो प्रमुख बिंदु शामिल किए गए वे इस प्रकार के थे। प्रस्ताव में पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले को क्रूर और अमानवीय करार दिया गया, जिसमें 26 लोग मारे गए, जिसमें से तीन पश्चिम बंगाल के थे।

इस प्रस्ताव में भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के समन्वित प्रयासों की प्रशंसा की गई, जिन्होंने पाकिस्तान और

पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को सटीकता के साथ नष्ट कर राष्ट्र की गरिमा की रक्षा की गई। लेकिन ममता सरकार के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया गया, बल्कि इस केवल अमानवीय हमला कहा गया। यह भारत सरकार के रुख के विपरीत है, जो हमले को लश्कर-ए-तैयबा जैसे पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठनों से जोड़ता है। सबसे अहम बात ये हैं प्रस्ताव में भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल बीजेपी के दर्द का असली कारण यही है।

ममता सरकार के इस कृत्य के पीछे कहीं न कहीं राजनीतिक मंशा ही रही होगी, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। बीजेपी विधायकों, विशेषकर विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी और विधायक अग्निमित्रा पॉल, ने प्रस्ताव की कमियों पर सवाल उठाए हैं। अधिकारी ने पूछा कि प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर का ज़िक्र क्यों नहीं किया गया, जो भारत की आतंकवाद विरोधी नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था।

बीजेपी ने टीएमसी पर आरोप लगाया कि वह वोट बैंक की राजनीति के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराने से बच रही है। बीजेपी नेता पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने 33 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए जानबूझकर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र नहीं किया।

दरअसल बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी 3 बार से लगातार सरकार बना रही है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी राज्य में बहुत तेजी से अपनी पैठ बनाई है। इस बार बीजेपी भी अपनी पूरी शक्ति से पश्चिम बंगाल में लगी हुई है। जाहिर है कि ममता बनर्जी के लिए बहुत बड़ा चैलेंज है चौथी बार सत्ता में आना।

शादी के पहले ही रची थी राजा की हत्या की साजिश, बुर्का पहनकर फरार हुई थी सोनम

शिलॉन्ग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड राज कुशवाह है जो सोनम का प्रेमी है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले ही हत्या की साजिश रच ली थी। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है। शिलॉन्ग एसपी ने बताया कि तीन आरोपी विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी 19 मई को ही शिलॉन्ग पहुंच गए थे। राजा की हत्या के बाद सोनम 25 मई को इंदौर पहुंची। यहां वह 7 जून तक रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेघालय पुलिस राजा की हत्या के पांचों आरोपियों से शुक्रवार को भी पूछताछ कर रही है। शिलॉन्ग के सदर थाने के लॉकअप में बंद आरोपियों की आपसी बातचीत पर पुलिसकर्मी नजर रख हुए हैं। हालांकि ये लोग ज्यादातर समय खामोश ही रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक सोनम समेत सभी आरोपियों ने पुलिस से उत्तर भारतीय भोजन की मांग की। पुलिस ने उन्हें खाना मंगाकर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया कि आरोपियों ने एक महिला की भी हत्या की प्लानिंग की थी। राजा

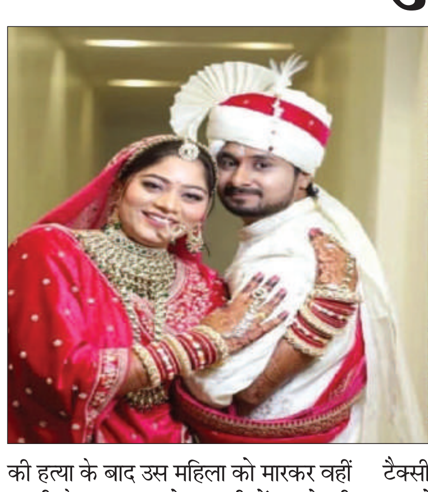

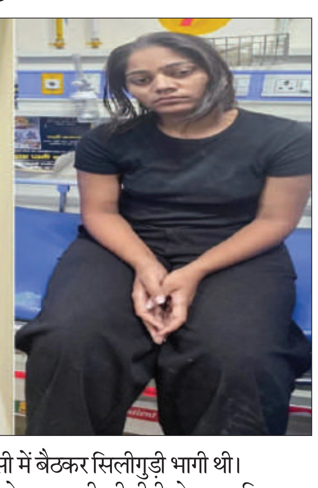

की हत्या के बाद उस महिला को मारकर वहीं स्कूटी के साथ जलाने या नदी में बहाने की योजना थी, ताकि वे दिखा सकें कि सोनम भी मर चुकी है। यह भी पता चला है कि हत्या के लिए राज कुशवाह ने जो योजना बनाई थी, उसमें इंदौर से आरोपियों को मोबाइल और 50 हजार रुपए के साथ सोनम के लिए काले रंग का बुर्का भी खरीद कर दिया था। यह बुर्का विशाल उसके लिए शिलॉन्ग ले गया था। एक्टिवा छोड़ने के बाद सोनम इसी बुर्के में टैक्सी में बैठकर सिलीगुड़ी भागी थी।

मेघालय की डीजीपी ने कहा कि राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम ने लापता होने से पहले अपना सूटकेस सोहरा के एक होम स्टे में छोड़ दिया था। उसमें मिले मंगलसूत्र और अंगूठी ने केस को सुलझाने में मदद की। एक विवाहिता का गहने छोड़ना हमें संदिग्ध लगा। इस हत्याकांड की साजिश इंदौर में रची गई इसलिए मेघालय पुलिस सोनम को अगले कुछ दिन में इंदौर ले जा सकती है।

तेजप्रताप ने वीडियो जारी कर पिता लालू को किया याद

पटना। राजद से निकाले जाने के बाद लालू के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने किसी तरह की नई पार्टी बनाने से इंकार किया है। साथ ही उन्होंने राजनीतिक पार्टी बनाने के अफवाह को लेकर कथित जयचंद पर निशाना साधा है। तेज प्रताप ने वीडियो साझा किया है, जिसमें वे अपने पिता लालू यादव के साथ दिख रहे हैं। वीडियो में तेज प्रताप, लालू यादव के पीछे खड़े हैं और एक गाना...पापा मेरी जां, हर दम रखना अब हाथ ये सर पर तुम... बैकग्राउंड में बजता सुनाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पिता लालू के साथ कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिसमें वे लालू यादव के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों में मंच शेयर करते हुए दिख रहे हैं। वीडियो पोस्ट के साथ तेज प्रताप ने एक तीखी टिप्पणी भी की है। उन्होंने लिखा है कि हद हो गई अब, इस जयचंद ने कुछ गोदी मीडिया वालों के साथ मिलकर अब ये अफवाह भी उड़ा दी है कि मैं कोई नई राजनीतिक पार्टी बना रहा हूं। बिहार की जनता से फिर से यही अपील करूंगा कि ऐसी किसी भी भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। जय हिंद... जय बिहार... जय राजद।

दिल्ली एनसीआर में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को फिलहाल नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय भारत के उत्तर पश्चिम इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लगातार हीट-वेव चल रहे हैं। लू के थपेड़ों ने आमलोगों का जीना मुहाल कर रखा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इन प्रदेशों के लिए प्रचंड गर्मी और लू का रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी भीषण गर्मी और उमस का दौर आज यानी 13 जून 2025 को भी जारी रहने का पूर्वानुमान है। देश के इन हिस्सों में फिलहाल गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है।

देश की राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में गुरुवार 12 जून को पारा 40 के पार चला गया। आयानगर में 45 तो पालम में 44.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। अत्यधिक टेम्प्रेचर की वजह से दिल्ली में दिनभर लू का दौर चलता रहा, जिस वजह से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू जैसे क्षेत्रों में तो हालात और भी खराब रहे। पिछले कुछ दिनों से गर्मी ने रंग दिखाना शुरू किया है, जिस वजह से सुबह 9-10 बजे के बाद से ही इतनी तेज धूप निकल रही है कि कामकाजी लोगों को छोड़कर अन्य लोग घरों से निकलने में परहेज करने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आनेवाले कुछ दिनों तक हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं।

यहां हीट-वेव से राहत नहीं

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में लू की स्थिति बनी रह सकती है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में फिर से भीषण लू पड़ने की संभावना है। वहीं, केरल, कर्नाटक, कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। तमिलनाडु और उत्तराखंड में भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

कुछ जगहों पर भारी बारिश

स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार, केरल, कर्नाटक, उत्तर तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, रायलसीमा, तेलंगाना, ओडिशा, गंगीय पश्चिम

बंगाल, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और उत्तराखंड में भी वर्षा दर्ज की गई। दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, दक्षिण मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की वर्षा हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 48 घंटों में यह मानसून विदर्भ, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों में प्रवेश कर सकता है। इस समय एक सक्रिय चक्रवाती सर्कुलेशन पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के पास एक्टिव है। इसके अलावा, एक ट्रफ रेखा उत्तर-पूर्वी राजस्थान से लेकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ होते हुए उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक फैली है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर भी अलग-अलग चक्रवाती सर्कुलेशन देखे जा रहे हैं। वहीं, एक पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है।

उद्धव और राज ठाकरे के मिलान की संभावना हुई कम, फडणवीस बने विलेन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से अटकलों का केंद्र रहे उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने की संभावना अब खत्म होती दिख रही है। हालिया घटनाक्रम और राजनीतिक समीकरणों ने इस संभावना को धुंधला कर दिया है।

10 जून से पहले शरद और अजित पवार के पुनर्मिलन की चर्चाएं गर्म थीं, ठीक उसी तरह ठाकरे बंधुओं के बीच फिर से साथ आने के कयास लग रहे थे। हालांकि, पवार की तरह ही ठाकरे परिवार में भी सार्वजनिक संकेतों और पारिवारिक मेल-मुलाकातों के बावजूद कोई ठोस पहल सामने नहीं आई।

बीते विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को विपक्षी गठबंधन में सबसे अधिक सीटें मिली थीं, वहीं राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) पूरी तरह से चुनावी नक्शे से गायब हो गई। उनके बेटे अमित ठाकरे भी चुनाव हार गए। इसके बाद राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि आगामी बीएमसी चुनावों के मद्देनजर दोनों भाइयों का एक साथ आना, उनके लिए 'सियासी संजीवनी' साबित हो सकता था।

लेकिन अब ये समीकरण बदलते दिख रहे हैं। 12 जून को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज ठाकरे की मुंबई के होटल में हुई अनौपचारिक और 'अनशेड्यूल्ड' मुलाकात ने ठाकरे बंधुओं की संभावित एकता पर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों के अनुसार मुलाकात एक घंटे से अधिक चली और मुलाकात को गुप्त रखने की कोशिश की गई। राजनीतिक विश्लेषक ठाकरे-फडणवीस समीकरण के पुनरुत्थान के संकेत के तौर पर देख रहे हैं, जिससे उद्धव के साथ राज ठाकरे के गठबंधन की संभावना को बड़ा झटका लगा है।

एक ओर जहां फडणवीस मुद्दे को 'ठाकरे भाइयों का निजी मामला' बताकर किनारा करते रहे हैं, वहीं अब उनकी सक्रियता और राज ठाकरे के साथ बढ़ती नजदीकियां भविष्य की राजनीतिक योजनाओं की ओर इशारा करती हैं।

श्रेयस अय्यर का खिताब जीतने का सपना टूटा, मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने टी20 मुंबई लीग जीती

लॉर्ड्स (एजेंसी)। मुंबई – सिद्धेश लाड की अगुआई वाली मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने यहां प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रैंड फाइनल में श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली सोबो मुंबई फाल्कंस को 5 विकेट से हराकर टी20 मुंबई लीग 2025 का खिताब जीत लिया। इसी के साथ ही अय्यर का एक और टी20 लीग का खिताब जीतने का सपना टूट गया। इससे पहले अय्यर की कप्तानी में 11 साल बाद फाइनल में पहुंचने वाली आईपीएल टीम पंजाब किंग्स को खिताबी मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की पहली विश्व कप विजेता टीम कपिल देव और दिलीप वेंगसरकर तथा 2024 टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी वाले खचाखच भरे वानखेड़े स्टेडियम में सोबो मुंबई फाल्कंस ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए मयूरेश टंडेल (नाबाद 50) के धैर्यपूर्ण अर्धशतक तथा हर्ष अघव के नाबाद 45 रनों की बदौलत 157/4 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। जवाब में चिन्मय सुतार (53) ने तेज अर्धशतक के साथ एमएससी मराठा रॉयल्स की जीत की नींव रखी जिसमें साहिल जाधव (22), सचिन यादव (19) और विस्फोटक अवैस खान (38) का बहुमूल्य योगदान रहा।

कप्तान सिद्धेश लाड (15) और साहिल ने 32 रनों की तेज साझेदारी करके रॉयल्स को स्थिर शुरुआत दी। इसके बाद चिन्मय ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं जिसमें सचिन यादव के साथ 41 रनों की साझेदारी और उसके बाद अवैस खान के साथ 63 रनों की साझेदारी शामिल थी। इससे रॉयल्स ने लक्ष्य का पीछा मजबूती से खेल को अपने नियंत्रण में कर लिया। हालांकि, 10 गेंदों पर केवल आठ रनों की आवश्यकता के साथ, बाएं हाथ के स्पिनर कार्तिक मिश्रा ने नाटकीय रूप से अंतिम ओवर में अवैस और चिन्मय दोनों को आउट करके फाल्कन्स को मुकाबले में वापस ला दिया। अंतिम ओवर में सात रन की जरूरत थी। ऐसे समय में रोहन राजे ने अपना धैर्य बनाए रखते पहली गेंद पर चौका लगाया

और चार गेंद शेष रहते जीत सुनिश्चित की जिससे रॉयल्स को तनावपूर्ण लेकिन अच्छी जीत मिली। इससे पहले पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर आए फाल्कंस शुरुआती लय पाने में विफल रहे। दोनों सलामी बल्लेबाजों अंगकृश रघुवंशी (7) और ईशान मूलचंदानी (20) सिर्फ 33 रन पर विकेट गंवा बैठे। कप्तान श्रेयस अय्यर (12) और अमोघ भटकल (16) भी अपनी शुरुआत का फायदा उठाए बिना आउट हो गए। बाएं हाथ के स्पिनर वैभव माली ने फाल्कंस को शुरू में ही परेशान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन्होंने रघुवंशी को आउट किया और फिर अय्यर का बेशकीमती विकेट लिया। 12 ओवर के बाद 72/4 पर संघर्ष करते हुए फाल्कंस मुश्किल में थे, इससे पहले मयूरेश और हर्ष ने पांचवें विकेट के लिए 85 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। उनकी अटूट साझेदारी ने न केवल पारी को संभाला, बल्कि टीम को फाइनल के दूसरे हाफ में महत्वपूर्ण गति भी दी।

मेजर लीग क्रिकेट : न्यूजीलैंड के फिन ने 34 गेंदों में ही शतक लगाकर पूरन का रिकार्ड तोड़ा

–टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरे सबसे तेज शतक लगाया

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने मेजर क्रिकेट लीग 2025 के पहले ही मैच में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से धूम मचा दी। एलन ने इस मैच में वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 34 गेंदों में ही शतक लगा दिया। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास का दसरा सबसे तेज शतक है। एलन की इस आक्रामक पारी से यूनिकॉर्न्स ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। एलन ने 51 गेंदों पर 5 चौके और 19 छक्कों की सहायता से सबसे अधिक 151 रन बनाए। इस प्रकार एलन के नाम एक पारी में सबसे अधिक 19 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और इसटोनिया के साहिल चौहान के नाम था जिन्होंने एक पारी में 18-18 छक्के लगाये लगायये थे।

एलन अब मेजबर लीग में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने इस पारी के साथ ही इसी सप्ताह संन्यास लेने वाले वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ दिया। पूरन ने इस टूर्नामेंट में 40 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं एलन 51 गेंदों पर 151 रन बनाकर मिशेल ओवेन की गेंद पर आउट हुए। एलन ने 49 गेंदों पर ही 150 रन पूरे कर दिये। इससे वह टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये।

एलन की इस तोड़ पारी से सैन फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। ये मेजर लीग में बना अब तक का सबसे अधिक स्कोर है।एलन की इस रिकार्ड पारी से की फ्रांसिस्को ने 20 ओवर में 269 रन बनाये। , जो एमएलसी के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। एलन के अलावा संजय कृष्णमूर्ति और हसन खान ने भी अहम भूमिका निभाई और 180 और 211.11 की स्ट्राइक रेट से क्रमशः 36 और 38 रन बनाए।

हरभजन सिंह ने भारत की नम्बर 3 की समस्या सुलझाई, इंग्लैंड के खिलाफ इसे मौका देने की बात की

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की आगामी टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने नए नंबर 3 बल्लेबाज के तौर पर साई सुदर्शन का समर्थन किया है। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट से पूर्व हरभजन ने कहा कि सुदर्शन इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति होंगे। विदर्भ क्रिकेट लीग के दौरान बोलते हुए हरभजन ने कहा कि सुदर्शन हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। हालांकि यह देखना बाकी है कि सुदर्शन को पहले टेस्ट में मौका मिलेगा या नहीं। हरभजन ने कहा, 'मेरे हिसाब से साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर खेलना चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और हाल ही में उन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी तकनीक अच्छी है और मेरा मानना है कि वह इस स्थान के लिए सही विकल्प हो सकते हैं।' श्रेयस अय्यर को टेस्ट दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इस पर पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उन्हें टीम में शामिल किए जाने की बात कही थी। अब हरभजन ने भी अय्यर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'श्रेयस अय्यर बहुत बढ़िया खिलाड़ी हैं। उन्होंने वनडे में खुद को साबित किया है, विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है।

हेड कोच गौतम गंभीर भारत वापस लौटे, 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होनी है टेस्ट सीरीज

लंदन (एजेंसी)। लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से एक सप्ताह पहले हेड कोच गौतम गंभीर पारिवारिक आपातकाल के कारण स्वदेश वापस लौट आए हैं। शुक्रवार से शुरू होने वाले इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच से पहले गंभीर बेकेनहैम में भारतीय टीम के साथ थे।

सूत्रों के हवाले से जानकारी के मुताबिक, 'हां, कल यह बात सामने आई कि गंभीर अपनी मां से संबंधित एक महत्वपूर्ण पारिवारिक आपात स्थिति के कारण घर वापस आ रहे हैं। अब तक, हमारा मानना है कि गंभीर पहले ही नई दिल्ली में अपने परिवार से जुड़ चुके हैं। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह अभी तक पता नहीं है कि टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले वह भारतीय टीम से कब जुड़ेंगे।'

गंभीर की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, सहायक कोच रेयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप भारतीय टीम को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी में मदद करेंगे। इंग्लैंड

का टेस्ट दौरा दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल का भारतीय टीम के कप्तान के रूप में पहला काम भी होगा क्योंकि पिछले महीने रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास ले लिया था।

गिल 25 साल और 258 दिन की उम्र में टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे कम उम्र के क्रिकेटर भी बन जाएंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत भारत के उप-कप्तान होंगे। भारत और इंग्लैंड बर्मिंघम के एजबेस्टन, लंदन के लॉर्ड्स, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड और लंदन के द ओवल में भी मैच खेलेंगे। भारत 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का लक्ष्य बना रहा है। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत का पहला असाइनमेंट भी होगा।

इंग्लैंड दौरे से बाहर हुई महिला क्रिकेटर सुचि उपाध्याय , राधा यादव शामिल

बेंगलुरु ।भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभी इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसी के लिए बेंगलुरु स्थिति सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास चल रहा था जहां एक क्रिकेटर सुचि उपाध्याय चोटिल होने के कारण दौरे से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में बीसीसीआई ने उनकी जगह पर राधा यादव को विकल्प के तौर पर शामिल किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पहला टी20 मैच 28 जून को खेला जाएगा। वहीं सीरीज का अंतिम मैच 12 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई से एकदिवसीय सीरीजशुरू होगी जिसका अंतिम मैच 22 जुलाई को होगा। भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ ये सीरीज काफी अहम रहेगी। विश्वकप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक वर्ल्ड कप आयोजित होगा, जिसमें 8 टीमों के बीच कुल 31 मैच खेले जाएंगे। 2 नंबर को फाइनल मैच बेंगलुरु में होगा, अगर पाकिस्तान टीम फाइनल तक जगह बनाती है तो फिर खिताबी मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

तिलक काउंटी क्रिकेट में हैंपशर की ओर से खेलेंगे

हैदराबाद ।आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से शानदार प्रदर्शन के बाद अब बल्लेबाज तिलक वर्मा इंग्लिश काउंटी में खेलते नजर आयेंगे। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने कहा कि बाएं हाथ का ये बल्लेबाज काउंटी टीम हैंपशर की ओर से खेलेगा। वह हैदराबाद की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। एचसीए ने कहा, ''हैदराबाद क्रिकेट संघ को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि तिलक को शामिल करने के लिए हैंपशर काउंटी टीम ने हमसे संपर्क किया है।'' साथ ही कहा कि 'हैदराबाद क्रिकेट संघ उन्हें हैंपशर काउंटी के साथ शानदार जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं देता है।'' गौरतलब है कि तिलक ने 18 प्रथम श्रेणी मैच में 50.16 की औसत से 1,204 रन बनाए हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 121 रन रहा है। उन्होंने पांच शतक और चार अर्द्धशतक बनाये हैं। तिलक ने भारतीय टीम की ओर से 25 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में तकरीबन 749 और 68 रन बनाए हैं। तिलक काउंटी क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर अगले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे वहीं भारत के ही एक अन्य बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ काउंटी चैंपियनशिप डिविजन वन के पांच मैचों में वनडे कप के लिए यॉर्कशर की ओर से खेलेंगे। यॉर्कशर को सर्रे के खिलाफ जुलाई में काउंटी मुकाबले खेलने हैं। गायकवाड़ सत्र के आखिर तक टीम के साथ रहेंगे। गायकवाड़ इस समय इंग्लैंड दौरे पर भारत ए टीम के साथ हैं। यॉर्कशर ने कहा कि रुतुराज एक अच्छे बल्लेबाज हैं और उनके आने से टीम को लाभ होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन, दक्षिण अफ्रीका के सामने 282 का लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) की अर्धशतकीय पारी और आखिरी विकेट के लिए जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की साझेदारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में 207 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 144 रन से की और कागिसो रबाडा ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाथन लियोन (दो) को पगबाधा कर उसे नौवां झटका दिया। लियोन ने मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं हुआ। स्टार्क और हेजलवुड ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाते हुए 135 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। एडेन मारक्रम ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के 65वें ओवर में केशव महाराज के हाथों हेजलवुड को कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को खत्म

किया जिसके बाद अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी।

स्टार्क ने तीन घंटे से अधिक की पारी में 136 गेंद का सामना कर पांच चौके लगाए। वह बृहस्पतिवार को जब क्रीज पर उतरे थे उस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम 73 रन पर सात विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी। उन्होंने एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आखिरी विकेट के लिए 59 रन जोड़ कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत कर दी। स्टार्क और हेजलवुड टेस्ट क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए तीन बार पचास से अधिक की साझेदारी करने वाली दूसरी जोड़ी है, उनसे पहले यह उपलब्धि बीजे वाटलिंग और ट्रेंट बोल्ट ने हासिल की थी।

दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने परेशान किया। स्टार्क और हेजलवुड को किस्मत का भी साथ मिला जब गेंद बल्ले के करीब से निकली या बल्ले का किनारा लेते हुए क्षेत्ररक्षकों से दूर रही। हेजलवुड ने भी स्टार्क का साथ अच्छे से दिया और अपनी बल्लेबाजी तकनीक से प्रभावित करते हुए 53 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। मार्को यानसेन की गेंद स्टार्क के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप के ऊपर से चार रनों के लिए चली गई जिससे उन्होंने टेस्ट में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया और टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया।

आखिरी विकेट चटकाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद केशव महाराज को गेंदबाजी दी। महाराज भी टीम को सफलता दिलाने में नाकाम रहे जिसके बाद मारक्रम को गेंद थमाई गयी। इस कामचलाऊ स्पिनर का पहला ओवर मेडन रहा लेकिन उनके दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हेजलवुड महाराज को कैच दे बैठे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 212 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 138 रन पर आउट हो गयी थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्लेबाज के पैड और पैर के बीच फंसी गेंद

लॉर्ड्स ।यहां दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में एक अजब वाकया सामने आया। इस मैच में दूसरे दिन के खेल के दौरान जब दक्षिण अफ्रीका के डेविड बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंद उनके बल्ले से लगने के बाद पैड और पैर के बीच की जगह में फंस गई। इसपर जब बल्लेबाज ने उसे निकाला तो ऑस्ट्रेलियाई फील्डर ने बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी पर अंपायर ने बल्लेबाज को आउट नहीं दिया। आईसीसी ने इस घटना का वीडियो भी जारी किया है। ये मामला मैच के दूसरे दिन लंच से पहले के अंतिम ओवर का है। तब दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 5 विकेट पर 113 रन था। इस दौरान बेडिंगम बल्लेबाजी कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज वेबस्टर की गेंद बेडिंगम के बल्ले से लगकर उनके पैर पर टकराई और फिर पैड और पैर के बीच में अटक गई। ऑस्ट्रेलियाई विकेट कीपर एलेक्स कैरी के गेंद को पकडने से पहले ही बेडिंगम ने गेंद को हाथ से पकड़कर पिच पर फेंक दिया। कैरी ने इसपर बॉल हैंडलिंग की अपील कर दी। बेडिंगम इससे डर गये पर अंपायरों ने फैसला किया कि उन्होंने मैदान में बाधा डालने से जुड़े नियम का उल्लंघन नहीं किया है इसलिए उन्हें संदेह का लाभ देते हुए नाटआउट करार दिया। इस तरह बेडिंगम आउट होते–होते बचे। आईसीसी नियमों अनुसार अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर गेंद को रोकता है या दोनों बल्लेबाजों में से कोई भी जानबूझकर कुछ ऐसा हरकत करता है जो फील्डर के कैच लेने में बाधा उत्पन्न करता है तो बल्लेबाज को आउट दिया जाता है।

सचिन की तरह छोटी उम्र में ही बड़े रिकार्ड बना रहे वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी जिस प्रकार का प्रदर्शन आईपीएल में किया है उससे सभी हैरान है। इस टूर्नामेंट में वैभव ने विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। ऐसे में अब उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से होने लगी है। सचिन ने जो काम 16 से 17 साल में किया था वैभव उसे 14-15 साल में ही कर लेना चाहते हैं। भारतीय क्रिकेट में सचिन को भगवान का दर्जा हासिल है। ऐसे में वैभव से उनकी तुलना करना और भी अहम हो जाता है। उनका रणजी ट्रॉफी डेब्यू, घरेलू क्रिकेट में शतक पर नजर डालें तो वैभव भी सचिन की तरह लगते हैं। तेंदुलकर ने 1988 में केवल 15 साल की उम्र में मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। यह वो दौर था जब सचिन ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने अपने पहले रणजी मैच में शतक बनाकर भविष्य में नये रिकार्ड बनाने के संकेत दे दिये थे। वहीं वैभव ने 2024 में 13 साल और 269 दिन की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया। इससे वे इस टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हालांकि डेब्यू मैच में वह सचिन की तरह रन नहीं बना पाये पर उनका मनोबल देखकर सभी हैरत में पड़ गये।

सचिन रणजी मैच में शतक जड़कर अपनी क्षमता साबित कर चुके थे। 1988 में हैरिस शील्ड टूर्नामेंट में विनोद कांबली के साथ उनकी 664 रन की ऐतिहासिक साझेदारी ने भी उनका नाम सभी जानने लगे थे। दूसरी ओर वैभव अपने रणजी डेब्यू में भले ही कमाल नहीं कर पाए लेकिन आईपीएल 2025 में अपने 35 गेंदों पर लगाये शतक से वह रातो-रात हीरो बन गये। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में 100 रन बनाकर टी20 क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव ने ये रन मोहम्मद सिराज से और राशिद खान जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ बनाये थे।

अहमदाबाद विमान हादसा:भारतीय खिलाड़ियों ने पीड़ितों की याद में रखा मौन और काली पट्टी बांधी

बेकेनहैम (इंग्लैंड) (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने शुक्रवार को यहां 'इंट्रा-स्क्वाड (भारत और भारत ए के खिलाड़ियों की टीमें)' मैच की शुरुआत से पहले अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा और बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान पर उतरे।

बृहस्पतिवार दोपहर 242 लोगों को ले जा रहा बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (एआई 171) विमान अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें एक विमान सवार को छोड़कर सभी की मौत हो गयी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'बेकेनहैम में इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य बांह पर काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरे हैं।'

बयान में कहा गया, 'अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक मिनट का मौन भी रखा गया।' मुख्य कोच गौतम गंभीर, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी खिलाड़ी केएल राहुल और रविंद्र जडेजा सहित इंग्लैंड दौरे पर गए सदस्यों ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में दुर्घटना पर अपनी पीड़ा व्यक्त की है।

महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया के जरिये इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'अहमदाबाद में विमान दुर्घटना से स्तब्ध और दुखी हूं। बहुत हृदय विदारक घटना। दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस कठिन समय में साहस प्रदान करें।' चार दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच भारतीय खिलाड़ियों के लिए 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तैयारी करने का आखिरी मौका होगा।

मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये

ढाका ।ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मिराज को कप्तान बनाये जाने की घोषणा की है। मिराज अगले एक साल तक के लिए कप्तान बनाये गये हैं। उन्हें नजमुल हुसैन शांतो की जगह कप्तान बनाया गया है। वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से कप्तानी संभालेंगे। कप्तान बनोय जाने पर मिराज ने खुशी जतायी है। मिराज ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करना एक सपने के सच होने जैसा है। बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मुझे इस टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास निडर क्रिकेट खेलने का कौशल और मानसिकता है। मैं चाहता हूं कि हम आत्मविश्वास से भरे रहें, प्रतिबद्ध रहें और देश के लिए दिल से खेलते रहें। इस ऑलराउंडर ने इससे पहले शंटो की अनुपस्थिति में चार एकदिवसीय मैचों में बांग्लादेश की कप्तानी की थी। 105 एकदिवसीय मैचों में 1617 रन और 110 विकेट के साथ, मिराज वर्तमान में आईसीसी रैंकिंग में ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर हैं। वह मोहम्मद रफीक, मशरफे मुर्तजा और शाकिब अल हसन के साथ बांग्लादेशी क्रिकेटरों के एक ऐसे समूह का भी हिस्सा हैं, जिन्होंने इस प्रारूप में 1000 रन और 100 विकेट पूरे किए हैं। इससे पहले इस, ऑलराउंडर को अगले महीने श्रीलंका में होने वाले अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट के लिए बांग्लादेश की टेस्ट टीम में उप–कप्तान बनाया गया था। बीसीबी क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष नजमुल अबेदीन ने उन्हें पुरस्कृत करने के निर्णय के पीछे ऑलराउंडर की निरंतरता की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मिराज ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में जुझारू भावना और संक्रामक ऊर्जा लेकर आए हैं। उनके प्रदर्शन, नेतृत्व के गुण और समग्र परिपक्वता उन्हें हमारी एकदिवसीय टीम का मार्गदर्शन करने के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाती है।

निकिता लूथर ने द ट्रेटर्स के साथ अपनी यात्रा को अवास्तविक बताया

पेशेवर पोकर खिलाड़ी निकिता लूथर को करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल किया गया है। निकिता ने खास बातचीत में शो में अपने अनुभव को अवास्तविक बताया। शो के लिए अपनी रणनीति शेयर करते हुए निकिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि मुझे ऐसा मंच दिया जाएगा। शोबिज की दुनिया में, जहां हर कोई ड्रामा लेकर आता है, मैंने यह दिखाने के लिए रणनीति का इस्तेमाल किया कि मैं एक अलग तरह की प्रतियोगी हूं। यह एक अवास्तविक यात्रा रही है, और मैं इस अवसर के लिए वास्तव में आभारी हूं।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कार्ड या प्रतियोगियों में से किसमें अधिक मजा आया, तो निकिता ने प्रतियोगियों को चुनते हुए कहा, कार्ड में, यह सरल है – आप धोखा देते हैं, और आप या तो जीतते हैं या हारते हैं। लेकिन यहां धोखा चिप्स से नहीं, बल्कि शब्दों से होता है। आपको लोगों की आंखों में देखना होता है, धोखा देना होता है, और फिर अगली सुबह उनके साथ नाश्ता करना होता है। इससे यह और भी ज्यादा गहरा हो जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या शो के दौरान उनका कोई दीर्घकालिक जुड़ाव बना, निकिता ने कहा, मैं कोई भी स्पॉइलर नहीं देना चाहती, लेकिन हां, शुरुआत में, बहुत से लोग मुझसे दूर रहते थे। कुछ लोग मुझे खतरनाक मानते थे क्योंकि मैं एक रणनीतिक, व्यावसायिक मानसिकता से आई थी। दूसरों को लगता था कि मैं इस श्रेणी में नहीं आती। मुझे लोगों के बीच फिट होने और लोगों को समझने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। द ट्रेटर्स के स्क्रिप्टेड होने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ट्रेटर्स बिल्कुल भी स्क्रिप्टेड नहीं था। यह एक बहुत ही अनोखा अनुभव था। सबसे पहले, यह एक कैप्टिव रियलिटी शो था। हमारे पास दो सप्ताह तक कोई फोन नहीं था। हमें रात में बाहर जाने या अपने फोन चेक करने की अनुमति नहीं थी – हर चीज पर नजर रखी जाती थी। दूसरा, गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़ों से भरे जहरीले रियलिटी शो के विपरीत, ट्रेटर्स ने बुद्धिमत्ता, रणनीति और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया। यह वास्तव में एक सोशल एक्सपेरिमेंट था। बता दें कि शो में निकिता का मुकाबला अंशुला कपूर, अपूर्व, राज कुंद्रा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, पूरव झा, रफ्तार, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद से होगा।

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम

फिल्म स्पिरिट से बाहर होने के बाद से दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने अपने पिता का जन्मदिन बहुत खास तरह से मनाया है। दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने बताया है कि वह पूरे देश में लोगों के लिए हर साल 75 बैडमिंटन स्कूल खोलेंगी। दीपिका पादुकोण के मुताबिक वह अपने पिता के 70वें जन्मदिन पर पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन खोलेंगी। ये सेंटर बंगलूरू, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयम्बटूर और सूरत में खोले जाएंगे। दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने पिता प्रकाश पादुकोण के साथ एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट के कैप्शन में दीपिका ने लिखा है बैडमिंटन खेलते हुए बड़े होने के नाते, मैंने खुद अनुभव किया है कि यह खेल किसी की जिंदगी को किस तरह बदलता है। यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बदलता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के जरिए हम सभी क्षेत्रों के लोगों तक बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। हम एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं जो स्वस्थ और खेल से प्रेरित हो।

2027 तक 250 होगी सेंटर की तादाद

दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के साथ जो प्रेस रिलीज शेयर की है उसके मुताबिक पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन हर साल 75 बैडमिंटन सेंटर खोलेगा। 2027 तक इनकी तादाद 250 तक होगी। इससे बैडमिंटन सभी के लिए आसान बन सकेगा। सेंटर ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर स्थापित किए हैं।

दीपिका के पिता भी देंगे साथ

आपको बता दें दीपिका पादुकोण के पिता बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। वह पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन में एक सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा खेल बड़े होने का एक अभिन्न हिस्सा है। यह अनुशासन और जीतने की मानसिकता पैदा करता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण कोचिंग को आसान और किफायती बनाना है। जमीनी स्तर से टैलेंट को उठाना और भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना है।

मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है। अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूं कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों। उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूं। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है। परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूं, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूं, कुछ दिन ठोकर खाती हूं, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूं, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विषकन्या' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया है।

डिटेक्टिव शेरदिल में जासूस बन मर्डर की गुत्थी सुलझाने निकले दिलजीत

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल की रिलीज डेट का मेकर्स ने हाल ही में एलान किया। अब आज मंगलवार 10 जून को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है। फिल्म में दिलजीत एक जासूस की भूमिका में हैं, जो एक मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हैं। फिल्म में सस्पेंस का डोज है तो कॉमेडी के भी छींटे हैं।

अनोखे जासूस बने दिखे दिलजीत

रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। आज जारी इसका ट्रेलर काफी दिलचस्प है। दिलजीत एक अनोखे डिटेक्टिव के रूप में नजर आए हैं। वे फिल्म में बोमन ईरानी के किरदार के मर्डर की गुत्थी सुलझाते हैं। गंभीर किरदार को भी उन्होंने इस तरह अदा किया है कि दर्शकों को हंसने के भरपूर मौके मिलेंगे।

दर्शकों को पसंद आया ट्रेलर

ट्रेलर पर दर्शकों की दिलचस्प प्रतिक्रिया आई है। एक यूजर ने लिखा, कुछ अलग देखने को मिला। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत दोसांझ रॉक। डिटेक्टिव शेरदिल, दिलजीत दोसांझ और अली अब्बास जफर की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों जोगी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं।

इस ओटीटी पर दस्तक देगी फिल्म

दिलजीत दोसांझ और बोमन ईरानी के अलावा फिल्म में डायना पेंटी, सुमित व्यास, बनिता संधू, चंकी पांडे और रत्ना पाठक शाह भी अहम रोल में हैं। दिलजीत से लेकर रत्ना और बोमन जैसे धुरंधर जिस फिल्म का हिस्सा हों, वहां दर्शकों को हंसने के मौके न मिलें, ऐसा भला कैसे हो सकता है। यह फिल्म 20 जून, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी।

हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर आया अपडेट

सिनेमा के शौकीन यूं तो फिल्मों को बड़े पर्दे पर देखना ही पसंद करते हैं और थिएटर्स का रुख करते हैं। मगर, एक वर्ग ऐसा है जो फिल्मों की ओटीटी रिलीज के इंतजार में रहता है। ऐसे लोगों के लिए हाउसफुल 5 की ओटीटी रिलीज पर अपडेट आया है। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की यह पांचवी कड़ी फिलहाल सिनेमाघरों में लगी है।

इस ओटीटी के पास हैं अधिकार

तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 6 जून को रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह ठीकठाक प्रदर्शन कर रही है। अब इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म ओटीटी पर जल्दी आ सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग के अधिकार अमेजन प्राइम वीडियो ने हासिल किए हैं।

जुलाई में हो सकती है रिलीज

इस फिल्म का ओटीटी प्रीमियर पहले इस साल अगस्त में होना था। लेकिन, अब कहा जा रहा है कि फिल्म की ओटीटी स्ट्रीमिंग जुलाई के पहले सप्ताह में ही शुरू हो सकती है। हाउसफुल 5 की डिजिटल रिलीज में यह अचानक बदलाव कथित तौर पर बॉक्स ऑफिस पर इसे मिल रही प्रतिक्रिया के बाद आया है।

क्यों लिया जल्दी ओटीटी रिलीज का फैसला?

दरअसल, फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं। लेकिन यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में निर्माताओं ने इसकी डिजिटल रिलीज कुछ जल्दी करने का फैसला लिया है। हालांकि, मेकर्स या प्राइम वीडियो की तरफ से ओटीटी रिलीज पर अभी आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बॉलीवुड में इसलिए फिट नहीं होते इमरान आमिर खान ने कही बड़ी बात

मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में बहुत उम्मीदों के साथ एंट्री की थी। हालांकि जल्दी ही वो फिल्म इंडस्ट्री से दूर हो गए। स्क्रीन के साथ हाल ही में बातचीत में, आमिर ने बताया कि इमरान खान का बॉलीवुड में फिट होना मुश्किल लगता है।

आमिर ने कहा बॉलीवुड में फिट नहीं इमरान

आमिर खान ने कहा इमरान खान में एक अलग काबिलियत है। उन्हें हमारे पास मौजूद ढांचे में फिट होना मुश्किल लगता है। यह उनकी जगह नहीं है। यही वजह है कि वह जाने तू... और देली बेली जैसी फिल्मों में अच्छा प्रदर्शन कर पाए। लेकिन जैसे ही आप उन्हें एक नियमित हिंदी फिल्म में काम करने के लिए कहते, वे फिट नहीं होते। वह हीरोगिरी के साथ सहज नहीं हैं। वह एक वास्तविक व्यक्ति की भूमिका निभाना चाहते हैं। हर कोई उन्हें मुख्यधारा की फिल्में ऑफर कर रहा था क्योंकि वह अच्छे दिखते हैं। लेकिन वह एक अभिनेता बनना चाहते हैं, स्टार नहीं।

इमरान ने पहली ही फिल्म से छोड़ी छाप

इमरान ने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड एक्टर के रूप में की थी। उन्होंने कयामत से कयामत तक और जो जीता वही सिकंदर जैसी फिल्मों में अपने चाचा के साथ काम किया। 2008 में बतौर लीड एक्टर उनकी पहली फिल्म जाने तू... या जाने ना थी। यह फिल्म एक युवा रोमांटिक कॉमेडी थी, जो दर्शकों को खूब पसंद आई थी। जेनेलिया डिसूजा के साथ बेहतरीन अदाकारी करने वाले इमरान को पहचान मिली। इस फिल्म में काम करने के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

इमरान ने दी अच्छी फिल्में

डेब्यू के बाद, इमरान कई रोमांटिक कॉमेडी और हल्की-फुल्की फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें आई हेट लव स्टोरीज (2010), ब्रेक के बाद (2010), और मेरे ब्रदर की दुल्हन (2011) शामिल हैं। उन्होंने खुद को एक रोमांटिक एक्टर के तौर पर स्थापित किया। 2011 में, इमरान ने डार्क कॉमेडी देली बेली में काम किया। यह फिल्म कारोबार के लिहाज से काफी कामयाब रही। इसके बाद उन्होंने एक मैं और एक तू (2012) बनाई, जो एक रोमांटिक ड्रामा थी। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हालांकि, 2012 के बाद, इमरान का करियर ढलान पर आ गया। मटरू की बिजली का मंडोला (2013) और गोरी तेरे प्यार में (2013) जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया।

इमरान ने फिल्मों से बनाई दूरी

2010 के दशक के मध्य तक इमरान खान फिल्मों से दूर रहे। उन्हें कई फिल्में ऑफिर हुईं लेकिन उन्हें फिल्मों में किरदार अच्छा नहीं लगा। वह कभी-कभार साक्षात्कारों या सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई देते हैं। इमरान खान ने उस समय अपनी अच्छी छाप छोड़ी जब वह युवा रोमांटिक कॉमेडी करते थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।